E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

12th ANNIVERSARY

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 62 | प्रयागराज, बुधवार 13 मई 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

दावा- जंग में यूएई ने भी ईरान पर हमले किए,ट्रम्प बोले- ईरानी लीडरशिप बेईमान,ईरान बोला- दोबारा हमला हुआ तो 90फीसदी यूरेनियम संवर्धन करेंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान पर गुप्त सैन्य हमले किए। यह दावा वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में ईरान के लावान द्वीप स्थित ऑयल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया था, जिससे वहां बड़ी आग लग गई और उत्पादन लंबे समय तक प्रभावित रहा। रिपोर्ट के मुताबिक हमला अप्रैल की शुरुआत में हुआ, उसी समय जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प युद्धविराम की घोषणा कर रहे थे। ईरान ने उस समय कहा था कि रिफाइनरी दुश्मन के हमले में क्षतिग्रस्त हुई है। इसके बाद तेहरान ने यूएई और कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएई ने इन हमलों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, यूएई विदेश मंत्रालय ने कहा कि देश को किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का जवाब देने का अधिकार है, जिसमें सैन्य कार्रवाई भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इस हमले से नाराज नहीं था, क्योंकि उस समय युद्धविराम पूरी तरह लागू नहीं हुआ था। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी नेतृत्व को बेईमान बताया है। उन्होंने कहा कि ईरानी नेता बार-बार अपनी बात बदलते हैं और बातचीत को लंबा खींचते हैं। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि जिन दस्तावेजों को पहुंचने में 20 मिनट लगने चाहिए, उन्हें ईरान 5 दिन बाद भेजता है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता कई बड़े विवादित मुद्दों में उलझी हुई है। होर्मुज स्ट्रेट, ईरानी जहाजों की अमेरिकी नाकेबंदी, परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे मुद्दों पर

दोनों देशों के बीच मतभेद बने हुए हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ट्रम्प ने ईरान का शांति प्रस्ताव ठुकरायाः ट्रम्प ने ईरान के नए प्रस्ताव को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। अमेरिका ने ईरान से 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकने और 60फीसदी एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी है। 2. तेल की कीमतों में बड़ा उछालः अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 104 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। होर्मुज स्ट्रेट में सप्लाई बाधित होने की आशंका से बाजार में चिंता बढ़ी। 3. ट्रम्प बोले- ईरान से सीजफायर वेंटिलेटर परः ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम अब बेहद कमजोर स्थिति में है। उन्होंने ईरानी प्रस्ताव को कूड़ा बताते हुए कहा कि अमेरिका अब पूर्ण जीत चाहता है।4. होर्मुज में तनाव और बढ़ाः ईरान ने चेतावनी दी कि फ्रांस और ब्रिटेन के युद्धपोत होर्मुज स्ट्रेट में आए तो तुरंत जवाब दिया जाएगा। वहीं कई जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई और देशों ने समुद्री सुरक्षा बढ़ानी शुरू कर दी। 5. लेबनान बॉर्डर पर इजराइल-हिजबुल्लाह संघर्ष तेजः हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैनिकों पर हमला करने का दावा किया। वहीं इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह का ड्रोन मार गिराने और सीमा पर एक सैनिक के मारे जाने की पुष्टि की। ईरान युद्ध के बाद अमेरिका में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। इसे देखते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फेडरल गैस टैक्स अस्थायी रूप से घटाने या सस्पेंड करने का समर्थन किया है। ट्रम्प ने कहा कि टैक्स तब तक कम रखा जाएगा, 'जब तक यह उचित रहेगा।' रिपब्लिकन सांसद जोश हॉले ने 90 दिनों के लिए गैस और डीजल टैक्स रोकने का बिल पेश करने की घोषणा की है। अमेरिका में सोमवार को पेट्रोल की औसत कीमत 4.52 डॉलर प्रति गैलन पहुंच गई। यह 2022 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले 2022 में कीमतें 5.01 डॉलर प्रति गैलन तक गई थीं। कीमतों में बढ़ोतरी की मुख्य वजह ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रभावी रूप से बंद होना है। दुनिया के करीब 20फीसदी तेल की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि वह 18.4 सेंट प्रति गैलन वाले फेडरल गैसोलीन टैक्स को घटाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे कम करने जा रहा हूं। यह तब तक रहेगा, जब तक जरूरत होगी।' हालांकि टैक्स सस्पेंड करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। मिसौरी से रिपब्लिकन सीनेटर जोश हॉले ने सोमवार को 90 दिनों के लिए गैस टैक्स और 24.4 सेंट प्रति गैलन डीजल टैक्स रोकने का प्रस्ताव पेश करने की बात कही। इससे पहले मार्च में कुछ डेमोक्रेट सांसदों ने भी अक्टूबर तक गैस टैक्स सस्पेंड करने का सुझाव दिया था। गैस टैक्स से हर महीने करीब 2.5 अरब डॉलर सड़क मरम्मत और इंफ्रास्ट्रक्चर फंड में जाते हैं। सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून ने टैक्स फ्रीज पर स्पष्ट समर्थन नहीं दिया।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

हंतावायरस के संपर्क में आए 17 यात्री अमेरिका लाए गए,42 दिन के क्वारंटीन में,किडनी को ज़्यादा प्रभावित करता हैं

वॉशिंगटन डीसी। हंता वायरस के संपर्क में आए 17

अमेरिकी यात्रियों को अमेरिका के नेब्रास्का मेडिकल सेंटर लाया गया है। यहां उन्हें 42 दिनों तक निगरानी और क्वारंटीन में रखा जाएगा। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग (एच एच एस) के मुताबिक, इन सभी यात्रियों को अमेरिकी सरकार के स्पेशल विमान से वापस लाया गया। ये सभी यात्री 'एमवी होंडियस' नाम की उस क्रूज शिप से लौटे हैं, जहां वायरस के मामले सामने आए थे। यह जहाज स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में रुका था। इसके बाद एक यात्री में हंता वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है, जबकि दूसरे में हल्के लक्षण पाए गए हैं। एहतियात के तौर पर दोनों को स्पेशल सिक्योरिटी सिस्टम में लाया गया। डॉक्टर अब बाकी यात्रियों की जांच करेंगे कि उनमें संक्रमण है या नहीं। अगर कोई बीमार पाया जाता है तो उसका इलाज किया जाएगा। जो लोग स्वस्थ होंगे, उन्हें घर भेजा जा सकता है, लेकिन उनकी निगरानी जारी रहेगी। हंता वायरस से इंसानों की किडनी फेल होने का खतरा होता है। कई मामलों में मरीज को तेज बुखार, शरीर दर्द, सांस लेने में दिक्कत और कमजोरी होने लगती है। हालत बिगड़ने पर फेफड़ों में पानी भर सकता है और जान का खतरा भी हो सकता है। इंसानों में हंता वायरस के लक्षण दिखने में 1 से 8 हफ्ते लग जाते हैं, लेकिन इसके बाद मरीज की हालत तेजी से बिगड़ने लगती है। डब्लूएचओ के मुताबिक, हंता वायरस की चपेट में आने वालों में से 35-40फीसदी की मौत 6 हफ्तों के अंदर हो जाती है। हंता वायरस एक खतरनाक वायरस है, जो ज्यादातर चूहों और गिलहरियों जैसे जानवरों से फैलता है। यह उनके मल, पेशाब और लार में पाया जाता है। इसका नाम दक्षिण कोरिया की 'हंटन' नदी के नाम पर रखा गया है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

प्रधानमंत्री मोदी 15 मई को 5 देशों के दौरे पर रवाना होंगे, ईरान जंग के बीच पहले यूएई पहुंचेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 20 मई तक यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली के दौरे पर जाएंगे। एएनआई के मुताबिक ईरान युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट के बीच उनका पहला पड़ाव यूएई होगा, जहां ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी 15 मई को यूएई पहुंचेंगे और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात करेंगे। बैठक में ऊर्जा सहयोग, क्षेत्रीय हालात और भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा होगी। यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और वहां 45 लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर असर पड़ा है। भारत की तेल सप्लाई और ऊर्जा सुरक्षा को देखते हुए इस दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है। पीएम मोदी 15 से 17 मई तक

नीदरलैंड में रहेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री रॉब जेटन, किंग विलेम-अलेक्जेंडर और क्वीन मैक्सिमा से मुलाकात करेंगे। बैठकों में रक्षा, सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर और जल साझेदारी पर चर्चा होगी। पीएम मोदी 17-18 मई को स्वीडन और 18-19 मई को नॉर्वे जाएंगे। नॉर्वे के ओस्लो में 19 मई को तीसरा इंडिया-नॉर्डिक समिट आयोजित होगा। इस समिट में ग्रीन ट्रांजिशन, ब्लू इकॉनमी, रक्षा, स्पेस और नई टेक्नोलॉजी पर चर्चा होगी। दौरे के आखिरी चरण में पीएम मोदी 19-20 मई को इटली जाएंगे। वहां वह प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला से मुलाकात करेंगे। बैठकों में भारत-ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, रक्षा सहयोग और स्वच्छ ऊर्जा पर चर्चा होगी।

नेतन्याहू बोले- ईरान के मुजतबा खामेनेई जिंदा,बंकर में छिपे,जनता के विद्रोह का डर

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा

किया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई जिंदा हैं, लेकिन उनकी सत्ता पर पकड़ उनके पिता अली खामेनेई जैसी मजबूत नहीं है। सीबीएस न्यूज के शो '60 मिनट्स' को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि मुजतबा किसी बंकर या गुप्त जगह पर छिपे हुए हैं और वहीं से सत्ता संभालने की कोशिश कर रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान इस समय 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे कमजोर दौर में है। उनके मुताबिक, शासन के भीतर दरारें बढ़ रही हैं और अलग-अलग गुटों में मतभेद सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा- 'कुछ लोग संघर्ष जारी रखना चाहते हैं, जबकि दूसरे लोगों को डर है कि इससे अर्थव्यवस्था टूट जाएगी और जनता सड़कों पर उतर सकती है।' नेतन्याहू ने कहा कि ईरानी शासन को सबसे ज्यादा डर अपनी ही जनता से है। उन्होंने दावा किया कि इजराइल और अमेरिका की कार्रवाई के बाद ईरान में विरोध प्रदर्शन बढ़े और लोगों ने शासन के खिलाफ आवाज उठाई। नेतन्याहू बोले- ईरान की अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत नुकसान पहुंचा-नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ हाल की कार्रवाई में पेट्रोकेमिकल प्लांट, स्टील प्लांट और मिसाइल निर्माण से जुड़े कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। उनके मुताबिक, इससे ईरान की अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत दोनों को नुकसान पहुंचा है। इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उनके मुताबिक, ईरान के पास अब भी एनरिच्ड यूरेनियम मौजूद है, कई परमाणु केंद्र सक्रिय हैं और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल इस बात पर सहमत हैं कि अगर जरूरत पड़ी तो दोबारा सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर आर्थिक दबाव और समझौते से लक्ष्य हासिल हो जाए तो सैन्य कार्रवाई जरूरी नहीं होगी। नेतन्याहू का दावा- हमला नहीं करते तो ईरान एक-दो महीने में परमाणु बना लेता-इंटरव्यू में नेतन्याहू ने दावा किया कि अगर इजराइल और अमेरिका ने हाल में कार्रवाई नहीं की होती, तो ईरान एक-दो महीने में परमाणु बम बना सकता था। उन्होंने कहा कि ईरान लंबे समय से परमाणु हथियार और लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित करने की कोशिश कर रहा था।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

बंगाल में एसआईआर कराने वाले अधिकारी चीफ सेक्रेटरी बने,कांग्रेस बोली- ईसी और बीजेपी के बीच खुली मिलीभगत,टीएमसी ने इसे बेशर्मी बताया

कोलकाता। सुवेंदु सरकार ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर कराने वाले चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल को राज्य का नया चीफ सेक्रेटरी नियुक्त किया है। मनोज की देखरेख में विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल में वोटर लिस्ट में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) कराया गया था। इसमें मतदाता सूची से लगभग 91 लाख वोटर्स के नाम हट गए थे। इसके अलावा रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता को भी मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया है। सुब्रत को बंगाल में एसआईआर के दौरान ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया था। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ये नियुक्तियां ईसीआई और बीजेपी के बीच खुली मिलीभगत और सांठगांठ को दर्शाती हैं। अब तो इस मिलीभगत को छिपाने की कोई कोशिश भी नहीं की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं कि ईसीआई निष्पक्ष नहीं था और उसने पूरी तरह से बीजेपी को फायदा पहुंचाने के मकसद से काम किया। रमेश ने कहा, चुनाव के दौरान 27 लाख लोगों को वोट करने से रोक दिया गया। ईसीआई ने बीजेपी को चुनावी

फायदा पहुंचाने के लिए इस काम को बड़ी ही चालाकी से अंजाम दिया। टीएमसी बोली- अब भी कोई मानता है कि चुनाव निष्पक्ष हुए-टीएमसी नेता साकेत गोखले ने इस कदम को 'बेहद बेशर्मी भरा बताया। वहीं टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने तंज वाले लहजे में इसे एक 'संयोग' कहा। एक्स पर अपनी पोस्ट में, गोखले ने कहा कि इस कदम से पता चलता है कि बीजेपी और ईसीआई 'चुनाव चुराने के मामले में खुलेआम सामने आ रहे हैं' और उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अदालतें 'अंधी हैं या इसमें मिलीभगत है'। तृणमूल की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने एक्स पर पोस्ट कियाः 'तथाकथित 'न्यूट्रल अंपायर' को बंगाल में बीजेपी सरकार के शीर्ष नौकरशाह के पद से नवाजा गया है। क्या अब भी कोई गंभीरता से मानता है कि बंगाल चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष थे? यह बेहद शर्मनाक कदम है।बंगाल सरकार में नियुक्त दोनों अधिकारियों के बारे में जानिए-मनोज अग्रवाल पश्चिम बंगाल कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र भी हैं। वे मौजूदा मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला की जगह लेंगे। हालांकि अग्रवाल का शुरुआती कार्यकाल छोटा होगा। वे जुलाई में रिटायर होने वाले हैं। 1990 बैच के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता ने चुनावों से पहले एसआईआर प्रक्रिया के लिए ऑब्जर्वर के तौर पर काम किया। 9 मई को उन्हें मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी का सलाहकार नियुक्त किया गया। चुनाव के दौरान तृणमूल ने एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव के संचालन को लेकर इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई थीं।

खैबर पख्तूनख्वा में ब्लास्ट, 2 पुलिसकर्मियों समेत 7 हलाक़

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में मंगलवार को ब्लास्ट हुआ। इस ब्लास्ट में 2 पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक घटना की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक ब्लास्ट सराय नौरंग तहसील के एक व्यस्त चौराहे पर हुआ। यहां ट्रैफिक पुलिस वार्डन बन्नू और डेरा इस्माइल खान के बीच ट्रैफिक कंट्रोल कर रहे थे। लक्की मरवत पुलिस के प्रवक्ता कुदरतुल्लाह खान ने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि विस्फोटकों से भरा लोडर रिक्शा वहां खड़ा था या किसी आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। बम निरोधक दस्ता ब्लास्ट के नेचर का पता लगाने में जुटा है। मृत पुलिसकर्मियों की पहचान आदिल जान और राहतुल्लाह के रूप में हुई है। दोनों के शव तहसील हेडक्वार्टर अस्पताल भेजे गए हैं। घायलों में एक किशोरी और एक महिला भी शामिल हैं। कुछ घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई दुकानों और थ्री-व्हीलर वाहनों को नुकसान पहुंचा दिखाई दिया। ब्लास्ट के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने इलाके को घेरकर सबूत जुटाने शुरू कर दिए। शनिवार रात बन्नू के फतेह खेल पुलिस पोस्ट पर आत्मघाती हमले में 15 पुलिसकर्मियों की मौत हुई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने अफगान चार्जे डी अफेयर्स को तलब कर कहा था कि जांच में हमले के तार अफगानिस्तान में मौजूद आतंकियों से जुड़े मिले हैं।

मानसून 4 दिन पहले आने का अनुमान,5 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

लखनऊ। देश में मानसून तय समय से 4 दिन पहले दस्तक दे सकता है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून तक पहुंचता है, लेकिन इस बार 25 से 27 मई के बीच केरल तट पर पहुंचने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में एक सिस्टम बन गया है, जो अगले 48 घंटे में और मजबूत हो सकता है। इससे दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश बढ़ेगी। यह सिस्टम मानसून को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। यूपी-बिहार समेत 5 राज्यों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। बिहार और उत्तराखंड के सभी जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आंधी-तूफान और बारिश से 5 घरों और 7 गोशालाओं की छतें उड़ गईं। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है। देश में सोमवार को राजस्थान का बाड़मेर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 47.3डिग्री दर्ज किया गया। जैसलमेर में 46.5डिग्री, फलोदी में 45.6डिग्री और बीकानेर में 45.3डिग्री तापमान रहा। मध्य प्रदेश के रतलाम में पारा 45डिग्री के पार रहा। दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश-दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में 14 से 17 मई के बीच भारी बारिश हो सकती है। वहीं असम, मेघालय और मणिपुर में भी कई जगह बारिश की संभावना हैं। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर ओडिशा में भी दिख सकता है। राज्य के कई हिस्सों में अगले 6 दिन तक बारिश का अनुमान है। 20 जिलों में बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम का हाल-आज-पूर्वी यूपी, बिहार और राजस्थान के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और ओलावृष्टि का असर बना रह सकता है। पंजाब और हरियाणा में भी तेज हवाएं चलने की आशंका है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में बारिश के साथ बिजली गिर सकती है। 14 मईः- पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी यूपी में बारिश, गरज-चमक और 30-60किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। पहाड़ी इलाकों में तेज हवाएं भी चल सकती हैं। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा,संविधान में नया प्रावधान जोड़ा,ईरानी की हालत के बाद फैसला

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई सीनियर ईरानी अधिकारियों की मौत हो गई थी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी। डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया। लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है ऐसी नीति पहले अनौपचारिक रूप से मौजूद रही हो, लेकिन अब इसे संविधान का हिस्सा बना दिया गया है, इसलिए इसका महत्व बढ़ गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ईरान के मुकाबले उत्तर कोरिया में ऐसा हमला करना कहीं ज्यादा मुश्किल होगा। उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे बंद देशों में से एक है। वहां विदेशी डिप्लोमैट्स, सहायता कर्मियों और कारोबारियों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, जिससे खुफिया जानकारी जुटाना बेहद मुश्किल हो जाता है। लोकल ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली खुफिया एजेंसियों ने ईरानी नेताओं पर नजर रखने के लिए हैक किए गए ट्रैफिक कैमरों और डिजिटल सर्विलांस सिस्टम का इस्तेमाल किया था।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक

प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली में दिनांक 11 मई 2026 को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें 60 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया । जनपद रायबरेली के अधिष्ठान सिंचाई विभाग (नलकूप खंड) छजलापुर रायबरेली से श्री बजरंग जी वरिष्ठ सहायक द्वारा , अप्रेंटिस एक्ट 1961 के अंतर्गत कुल 27 सीटों पर 12माह के अप्रेंटिस प्रशिक्षण हेतु विभिन्न आई टी आई ट्रेड - फिटर, इलेक्ट्रिशियन , इलेक्ट्रिशियन पावर डिस्ट्रीब्यूशन , वायरमैन, टर्नर, मशीनिस्ट, मैकेनिक डीजल, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिकल, कोपा, स्टेनो हिंदी, वेल्डर आदि के आवेदन फॉर्म अप्रेंटिस मेले के माध्यम से अग्रिम कार्यवाही हेतु जमा किया गया त उक्त मेले में संस्थान के वरिष्ठ कार्यदेशक श्री राजकुमार मौर्य, श्री सी एम श्रीवास्तव , चंद्रकांत पांडे आदि मौजूद रहे।

15 मई को आरटीओ कार्यालय का घेराव करेगा बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में नदेसर स्थित अर्बन फूड कोर्ट कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 15 मई को काजीसराय स्थित आरटीओ कार्यालय का घेराव कर परिवहन विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सरकार एवं परिवहन विभाग द्वारा लगातार नए-नए नियम लागू कर मोटर मालिकों और परिवहन व्यवसायियों को परेशान किया जा रहा है। आए दिन बदलते नियमों और भारी जुर्माने के कारण बस एवं वाहन मालिक आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि आरटीओ अधिकारियों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत कराया जाएगा तथा यह सवाल पूछा जाएगा कि बिना किसी टैक्स राहत के वाहन मालिक इन व्यवस्थाओं को कैसे पूरा करेंगे। बैठक में विशेष रूप से वर्ष 2019 के बाद की बसों एवं अन्य वाहनों में पैनिक बटन लगाने के आदेश का मुद्दा उठाया गया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि इस आदेश के नाम पर आरटीओ विभाग द्वारा वाहन मालिकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। साथ ही लगातार वाहनों के चालान किए जाने से परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों में भारी नाराजगी है। कार्यक्रम के अंत में 7 मई 2026 को दिवंगत हुए साथी त्रिभुवन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रवक्ता शशि प्रताप सिंह, विनोद सिंह, हर्षवर्धन सिंह, पी. रोहित सिंह, विकास सिंह, विशाल राय, प्रवीण श्रीवास्तव, अखिलेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने एम्स का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायबरेली के मुंशीगंज परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, विद्युत व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन से मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर मरीजों एवं तीमारदारों से संवाद किया तथा स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एम्स डॉ0 नीरज श्रीवास्तव सहित चिकित्सकगण एवं अस्पताल प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनटीपीसी ऊंचाहार के अलोक शर्मा को राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ऊंचाहार/लखनऊ। एनटीपीसी ऊंचाहार और भारतीय पैरा-खेल जगत के लिए गौरव का क्षण। प्रदर्शन कर शर्मा दृढ़ संकल्प और जज्बे की मिसाल बने हैं। समारोह की मुख्य बातेंः-पुरस्कार समारोह में देशभर से आए अनेक दिव्यांग नहीं था। दिव्यांगता, अक्षमता नहीं है।' समारोह का समापन सभी पुरस्कार विजेताओं के सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ। एनटीपीसी

एनटीपीसी ऊंचाहार के उप प्रबंधक श्री अलोक शर्मा को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित भव्य समारोह में 'राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार ब्रेनफ्रा एडुटेक प्रा. लि. एवं स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया गया था। अलोक शर्मा एक बहु-प्रतिभाशाली पैरा-खिलाड़ी हैं जिन्होंने पैरा क्रिकेट में भारतीय टीम की कप्तानी, अंतर्राष्ट्रीय डार्ट्स और पैरा एथलेटिक्स में देश का प्रतिनिधित्व कर भारत का नाम रोशन किया है। एनटीपीसी ऊंचाहार में अपनी पेशेवर जिम्मेदारी के साथ-साथ खेल जगत में उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। मंच पर अलोक शर्मा को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह में ब्रेनफ्रा, मास्टर राम सिंह मेडिकल कॉलेज, म्यूजिक मैथ एवं अमेरिकन पोस्ट जैसी संस्थाओं की सहभागिता दिखी, जो पैरा-खेलों को मिल रहे समर्थन को दर्शाता है। सम्मान प्राप्त करने के बाद अलोक शर्मा ने कहा, 'यह पुरस्कार हर उस दिव्यांग खिलाड़ी को समर्पित है जो सपने देखने की हिम्मत रखता है। एनटीपीसी ऊंचाहार से लेकर टीम इंडिया की जर्सी तक का सफर मेरे परिवार, एनटीपीसी परिवार, कोच और समर्थकों के बिना संभव परिवार ने दी बधाईः- एनटीपीसी ऊंचाहार परियोजना ने अलोक शर्मा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि शर्मा ने यह साबित किया है कि बुलंद हौसलों के आगे कोई भी बाधा नहीं टिकती। 1. एनटीपीसी ऊंचाहार के अलोक शर्मा को लखनऊ में राष्ट्रीय खेल रत्न पुरस्कार 2026, 2. ऊंचाहार से टीम इंडिया तकः अलोक शर्मा को खेल रत्न 2026 से सम्मान, 3. पैरा क्रिकेटर अलोक शर्मा ने जीता राष्ट्रीय खेल रत्न, एनटीपीसी का बढ़ाया मान, इसे एनटीपीसी न्यूज़लेटर या स्थानीय अखबार के लिए और छोटा करना हो तो बता दें।

एडीएम की अध्यक्षता में स्व-गणना अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला जनगणना

अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमृता सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जनगणना 2027 के अंतर्गत संचालित स्व-गणना अभियान को जन-जन तक पहुंचाने हेतु आज जनपद रायबरेली के बचत भवन में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष रायबरेली कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन, अध्यक्ष जिला कलेक्ट्रेट कर्मचारी संगठन, अध्यक्ष एवं महामंत्री सेंट्रल बार एसोसिएशन दीवानी परिषद सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता गण, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके पश्चात जिला जनगणना अधिकारी द्वारा मा0 जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह, मा0 मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह एवं अन्य मा0 न्यायाधीश को जनपद न्यायालय में स्व-गणना के बारे में जानकारी देते हुए सभी मा0 की स्व-गणना कराई गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को जनगणना 2027 के अंतर्गत 7 मई से 21 मई तक चलने वाले स्व-गणना अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि स्व-गणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जनगणना ऑनलाइन कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनेगी। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) ने उपस्थित अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने परिवार, सहयोगियों एवं आम जनमानस को भी इसके प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने जनगणना 2027 को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया।

आयुष्मान भारत योजना में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर

जनपद रायबरेली प्रदेश में 17वें स्थान पर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत जनपद रायबरेली में निर्धारित लक्ष्य 342150 (परिवार) के सापेक्ष वर्तमान तक 310892 परिवारों के 90.86 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बना लिए गए है तथा जनपद में 1481761 लाभार्थियों के सापेक्ष वर्तमान 922535 लाभार्थियों के 62.26 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बना लिए गये है। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,उ0प्र0 शासन के 03 अप्रैल,2026 के पत्र के क्रम में जनपद रायबरेली आयुष्मान कार्ड निर्गत करने में प्रदेश में 17वें पायदान पर है। जनपद रायबरेली ने उक्त रैंक मुख्य चिकित्साधिकारी रायबरेली डॉ0 नवीन चंद्र के कुशल निर्देशन में प्राप्त किया है। जनपद रायबरेली आशा, आंगनवाडी कार्यकत्री, आंगनवाडी सहायिका, 70से अधिक वर्ष या उससे अधिक आयु के लाभार्थियों एवं जीरो पावर्टी योजना में जनपद रायबरेली प्रदेश स्तर पर क्रमशः 10वें, 20वें, 20वें, 19वें एवं 17वें पायदान पर है। जनपद में आयुष्मान भारत-प्रधानमन्त्री जन आरोग्य योजना के नोडल अधिकारी डॉ0 अशोक कुमार (उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी) द्वारा अवगत कराया गया कि आयुष्मान कार्ड अब लाभार्थी स्वयं से ही बना सकते हैं जिसके क्रम में लाभार्थियों को प्ले स्टोर पर उपलब्ध आयुष्मान ऐप (ंब्ल्र्स्हि ंज्ज) को डाउनलोड करके या फिर ॅ.ंहग्र्म्ह.ह्र्ॅ.ुदन.ग्ह पर लाभार्थी अपने आधार से लिंक मोबाइल नंबर लॉगिन कर खुद से ंहग्र्म्ह ऑप्शन से आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। जनपद में शेष बचे 559226 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु विशेष कैंप लगाये जा रहे हैं, जिसमे ए0एन0एम0, सी0एच0ओ0, आयुष्मान मित्रों, पंचायक सहायक, कोटेदार, आशा, संगिनी एवं अन्य के माध्यम से लाभार्थियों को बुलाकर आयुष्मान कार्ड जनपद के समस्त सरकारी अस्पतालों में एवं जिला अस्पताल पुरुष/महिला में बनाये जा रहे है। जनपद के समस्त आयुष्मान लाभार्थी कृपया उपरोक्त जानकारी हेतु अपने निकटतम सरकारी चिकित्सालय में सम्पर्क करें जिससे योजना हेतु लाभ प्राप्त कर सकें।

तेज़-तर्रार महिला उप-निरीक्षक श्रीमती शिवानी जी कर्तव्य पालन के दौरान हुई चोटिल- 'कर हर मैदान फ़तेह'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट से चोटिल हो गई हैं। आधुनिक समाचार उनके अदम्य साहस को

दुःखद ख़बर तेज़ तर्रार व बेहतरीन कार्य शैली के लिए जानी जाने वाली सलाम करता है और आप सभी से अपील करता है कि- उनके जल्द

महिला उप निरीक्षिक जो कि कर्तव्य की राह पर चलते हुए अक्सर जबाज़ी से खुद को जोखिम में डाल अपने कर्तव्य का पालन करतीं हैं। तेज़-तर्रार महिला उप-निरीक्षक श्रीमती शिवानी जी ड्यूटी के दौरान स्वस्थ होने की प्रार्थना करें व जल्द स्वस्थ होकर रण में लौटने की सुभिक्षा करें। 'पिघला दे जंजीरें, बना उनकी शमशीरें, कर हर मैदान फ़तेह ओ बंदेया।। कर हर मैदान फ़तेह शिवानी जी!

स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट द्वारा 'राष्ट्रीय खेल रत्न सम्मान 2026' में 70 दिव्यांग पैरालंपिक खिलाड़ियों का भव्य सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। लखनऊ स्थित Indira

Gandhi Pratishthan के मार्स ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य समारोह में स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट एवं स्वर्ण भारत दिव्यांग बोर्ड द्वारा देशभर के दिव्यांग एवं पैरालंपिक खिलाड़ियों को 'राष्ट्रीय खेल रत्न सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया। यह आयोजन समाज में दिव्यांग खिलाड़ियों के संघर्ष, साहस, आत्मबल एवं खेल उपलब्धियों को सम्मान देने हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सतेन्द्र कुशवाहा (Founder – TV 24 Network) उपस्थित रहे। इस अवसर पर एमएलसी अवनीश सिंह पटेल, Brainfra IAS के संस्थापक डॉ. अतुल शाक्य, विभिन्न शिक्षाविद, समाजसेवी एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन Brainfra IAS द्वारा किया गया, जबकि इसका सहयोग स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट एवं Global Edu-cation इदेल्स द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में कुल 70 दिव्यांग पैरालंपिक खिलाड़ियों एवं खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान देकर उनके संघर्ष और उपलब्धियों को सराहा गया। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों के जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि ये खिलाड़ी पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं। इस अवसर पर स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट पीयूष पंडित ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहाः- 'आपने यह सिद्ध किया है कि सीमाएँ शरीर में नहीं, बल्कि सोच में होती हैं। आपके संघर्ष, समर्पण एवं निरंतर प्रयासों ने समाज को नई प्रेरणा दी है। हम आपका सम्मान देश के वीर जवानों की तरह करते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि स्वर्ण भारत परिवार ट्रस्ट एवं उसका दिव्यांग कल्याण बोर्ड निरंतर दिव्यांगजनों के उत्थान, खेल प्रतिभाओं के प्रोत्साहन, शिक्षा, सामाजिक सहयोग एवं सम्मान के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संस्था का उद्देश्य दिव्यांग प्रतिभाओं को समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण तब बना जब एडवोकेट पीयूष पंडित ने सभी खिलाड़ियों के साथ मंच पर स्वयं सेल्फी लेकर आत्मीय जुड़ाव व्यक्त किया। यह दृश्य पूरे सभागार में उत्साह एवं भावनाओं से भर गया और खिलाड़ियों ने भी इस सम्मान के लिए आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मान समारोह में खिलाड़ियों को दिए गए प्रमाण पत्र में यह संदेश विशेष रूप से अंकित रहा किः- 'आपने अपने अदम्य साहस, अटूट आत्मविश्वास एवं अथक दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर खेल जगत में वह मुकाम हासिल किया है, जो केवल उपलब्धि नहीं बल्कि मानव आत्मा की अजेय शक्ति का जीवंत प्रमाण है।'

मुंशीगंज शहीद स्मारक स्थल संकट मोचन धाम

दूसरे बड़े मंगल पर संकट मोचन धाम में भवानी दत्त दीक्षित के विशाल भंडारे में उमड़े सैकड़ों श्रद्धालु

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुंशीगंज/रायबरेली। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगल पर शहर के मुंशीगंज स्थित सई नदी तट पर बने मंगल पर श्रद्धालु पूरे श्रद्धाभाव से परिक्रमा करते और जय श्रीराम व बजरंगबली के जयकारे लगाते नजर आए। कार्यक्रम में प्रो. डॉ संजय कांड के बाद 7 जनवरी 1921 को अंग्रेजी हुकूमत द्वारा इसी स्थल पर हुए भीषण गोलीकांड में सैकड़ों निर्दोष किसानों ने शहादत दी थी।

ऐतिहासिक शहीद स्मारक परिसर में आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत भगवान का विग्रह देखने को मिला। संकट मोचन धाम बाल रूप हनुमान मंदिर में मंगलवार को मेले जैसा दृश्य रहा, जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भाजपा अमेठी के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष भवानी दत्त दीक्षित द्वारा आयोजित विशाल दिव्य भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं में मान्यता रही कि संकट मोचन धाम में बाल रूप हनुमान जी के दर्शन मात्र से संकट दूर हो जाते हैं। मंदिर परिसर में 11 बार परिक्रमा करने और पीपल की छांव के नीचे कुछ समय बैठकर ध्यान करने से रोग, व्याधि, दुख और कष्टों का हरण होता है। बड़े सिंह, राकेश त्रिपाठी, कृष्ण गोपाल वाजपेई, राधेश्याम सिंह, मातृभूमि सेवा मिशन इकाई के अध्यक्ष रामराज गीरी, संयोजक प्रदीप पांडेय, सहसंयोजक रामानुज मिश्र, मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा, दिव्या मिश्रा सहित बड़ी संख्या में हनुमान भक्त मौजूद रहे। इसके अलावा राम प्रकाश चौधरी, अशोक कुमार वैश्य, पूनम वैश्य, रूप नारायण शुक्ला, पत्रकार राजेश कुमार पाण्डेय और शिवराज मौर्या सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। बताते चलें कि मुंशीगंज शहीद स्मारक स्थल ऐतिहासिक दृष्टि से देश के महत्वपूर्ण स्थलों में गिना जाता है। जलियांवाला बाग लंबे समय तक यह क्षेत्र वीरान और भयग्रस्त माना जाता रहा। एक दौर ऐसा भी था जब शाम ढलते ही लोग यहां आने से कतराते थे। लेकिन बीती 7 अक्टूबर 2025 के बाद यह स्थल संकट मोचन धाम के रूप में नई पहचान बना चुका है। चित्रकूट के जगदुरु रामस्वरूप आनंद जी महाराज भी यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। मात्र छह माह के भीतर यह स्थान आस्था, अध्यात्म और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। प्रदेश सरकार द्वारा इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में तेजी से कार्य कराया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र का कायाकल्प होता दिखाई दे रहा है।

'मोदी अपील' के बाद मैहर के सर्राफा बाजार में सन्नाटा!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कथित अपील के बाद मैहर के सर्राफा बाजार में अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। शहर की कई ज्वेलरी दुकानों में ग्राहकों की चहल-पहल की जगह अब सन्नाटा पसरा दिखाई दे रहा है। दुकानदार कुर्सियों पर बैठे ऐसे नजर आए मानो ग्राहक नहीं, किसी नई सरकारी योजना का इंतजार कर रहे हों। दुकानों में सजे हार, कंगन और अंगूठियां भी शायद यही सोच रही हों कि उनकी चमक पर लगा यह 'आर्थिक ग्रहण' आखिर कब हटेगा। एक ज्वेलरी व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा-'पहले लोग दाम पूछकर चले जाते थे, अब भाषण सुनाकर चले जाते हैं।' वहीं शादी वाले घरों में भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। परिवार वाले सोने के बढ़ते दाम, बजट और सामाजिक प्रतिष्ठा के बीच ऐसे उलझे हैं जैसे दूल्हा बारात और डीजे वाले के पेमेंट के बीच फंस जाता है। अब हालात यह हैं कि शादी समारोहों में दूल्हा-दुल्हन से ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि 'जेवर असली हैं या सिर्फ फोटो में फिल्टर लगाया गया है।' हालांकि कई लोगों ने इसे देशहित से जोड़कर समर्थन भी दिया, लेकिन बाजार में सुस्ती ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि सर्राफा बाजार की चमक लौटती है या सन्नाटा और गहराता है।

अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा पुलिस लाइन चुर्क स्थित पुलिस कार्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठों का किया गया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। अपर पुलिस

अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र अनिल कुमार द्वारा पुलिस लाइन चुर्क स्थित पुलिस कार्यालय के जनसूचना सेल, व्यापारी प्रकोष्ठ सेल, नारकोटिक्स सेल, महिला सहायता प्रकोष्ठ, विशेष जांच प्रकोष्ठ, शिकायत प्रकोष्ठ सहित विभिन्न शाखाओं/सेलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अभिलेखों, पत्रावलियों एवं लंबित प्रकरणों का अवलोकन कर उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महिला सहायता प्रकोष्ठ में प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं संवेदनशील निस्तारण पर विशेष बल दिया गया। नारकोटिक्स सेल के निरीक्षण के दौरान मादक पदार्थों से संबंधित अभियोगों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु सतत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। व्यापारी प्रकोष्ठ सेल में व्यापारियों से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान एवं बेहतर समन्वय बनाए रखने हेतु निर्देशित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा समस्त प्रकोष्ठों में साफ-सफाई, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं कार्यालयीय कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

बकायेदारों की भूमि की नीलामी 21 व 22 मई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 21 मई नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में

उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली गौतम सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक/न्यायालय देय की बकायेदार श्री छेदी पुत्र विष्णु प्रसाद निवासी मजरे मरदानपुर परगना व तहसील सदर जिला 2026 एवं नौशाद पुत्र वशीर अहमद निवासी रसेहता परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 22 मई 2026 को समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित प्रस्तावित है।

इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

टूटी सड़कों और बदहाल व्यवस्था पर फूटा व्यापारियों का आक्रोश,व्यापार मण्डल ने नगर पालिका को चेताया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के अध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा के अधिकारियों द्वारा लगातार आश्वासन दिये जाने के बावजूद मई-2026 तक भी शेष सड़क निर्माण कार्य पूरा न होना नगर व्यापारिक गतिविधियाँ पूरी तरह प्रभावित हो रही हैं। श्री बग्गा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि शीघ्र ही सड़क निर्माण, जल

नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मण्डल नगर पालिका परिषद रायबरेली के अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर से मिला और सब्जी मण्डी रोड के अधूरे निर्माण कार्य को लेकर नाराजगी व्यक्त की। श्री बग्गा ने नगर पालिका अध्यक्ष को अवगत कराया कि सब्जी मण्डी मार्ग पर पंजाब क्लाथ हाउस तक आंशिक रूप से सड़क निर्माण कार्य कराने के बाद महीनों से कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। विभागीय पालिका की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

व्यापारियों ने कहा कि पंजाब क्लाथ हाउस से मालखाना होते हुए चिड़ियाखाना तक मार्ग की स्थिति बेहद दयनीय और जनविरोधी बनी हुई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, जलभराव और कीचड़ के कारण प्रतिदिन हजारों नागरिकों, व्यापारियों एवं ग्राहकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में यह मार्ग दुर्घटनाओं का कारण बन जाता है तथा निकासी एवं मरम्मत कार्य प्रारम्भ कराकर पूर्ण नहीं कराया गया तो व्यापारी वर्ग सड़क पर उतरकर व्यापक आन्दोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी। पालिकाध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर अविलम्ब निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा तथा जनता और व्यापारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें।

साइबर अपराधियों पर कड़ा प्रहार, धन की उगाही हेतु साइबर उत्पीड़न एवं ब्लैकमेलिंग कर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 05 नफर साइबर अपराधी राजस्थान से गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माङ द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा

रहे विशेष अभियान तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) श्री ऋषभ रुणवाल के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण/मार्गदर्शन में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में जनपद सोनभद्र के थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस, साइबर क्राइम थाना एवं एसओजी/सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए धन की उगाही हेतु साइबर उत्पीड़न एवं ब्लैकमेलिंग कर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर 05 साइबर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण- दिनांक 29.04.2026 को अंकिता पाठक पत्नी स्व0 राजेंद्र पाठक द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के समक्ष जन शिकायत प्रस्तुत कर बताया गया कि उनके पति राजेंद्र पाठक ने दिनांक 07/08.04.2026 की रात्रि में अपने नवनिर्मित मकान में आत्महत्या कर ली थी। प्रारंभ में आत्महत्या के कारणों की जानकारी नहीं हो सकी, किन्तु परिजनों द्वारा मृतक के मोबाइल फोन की जांच करने पर ज्ञात हुआ कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उन्हें लगातार धमकी देकर धन की मांग की जा रही थी। मृतक द्वारा उक्त व्यक्तियों को कई बार धनराशि भी भेजी गई थी। बैंक खाते के स्टेटमेंट एवं मोबाइल चैट के अवलोकन से यह तथ्य प्रकाश में आया कि साइबर उत्पीड़न एवं ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर मृतक ने आत्महत्या की। कार्यवाही- प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-343/2026 धारा 108, 308(5) बी0एन0एस0 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में साइबर थाना, एसओजी एवं सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। जांच टीम द्वारा मृतक के मोबाइल फोन में प्राप्त चैट, कॉल एवं वीडियो कॉल का तकनीकी विश्लेषण किया गया। जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि वीडियो कॉल राजस्थान राज्य के अलवर जनपद से की गई थी। जिस बैंक खाते में धनराशि भेजी गई थी, वह महाराष्ट्र राज्य का था, जबकि उक्त धनराशि राजस्थान के भिवाड़ी क्षेत्र से निकाली गई थी। तकनीकी साक्ष्यों एवं इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना सोनभद्र धीरेन्द्र कुमार चौधरी के नेतृत्व में सर्विलांस प्रभारी नागेश सिंह मय पुलिस टीम राजस्थान रवाना की गई। संयुक्त पुलिस टीम द्वारा स्थानीय पुलिस के सहयोग से सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों की पहचान कर दिनांक 10.05.2026 को 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में धमकी देकर धन उगाही करने वाले, धनराशि निकालने वाले तथा म्यूल बैंक खाते एवं एटीएम कार्ड उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-1. अफसील खान पुत्र भज्जू निवासी ग्राम झिवाना, थाना चौपानिया खेताल, तिजारा, जनपद अलवर, राजस्थान। 2. नूर मोहम्मद उर्फ नंदा पुत्र दीना निवासी ग्राम सोरवा, थाना कैथल, जनपद खैरथल-तिजारा, अलवर, राजस्थान। 3. राशिद पुत्र गफूर निवासी ग्राम सोरवा, थाना कैथल, जनपद खैरथल-तिजारा, अलवर, राजस्थान। 4. वशिम पुत्र रज्जाक खान निवासी ग्राम चावंडी खुर्द, थाना शेखपुर अहीर, जनपद खैरथल-तिजारा, अलवर, राजस्थान। 5. बारिश पुत्र नसरुद्दीन निवासी ग्राम चावंडी खुर्द, थाना शेखपुर अहीर, जनपद खैरथल-तिजारा, अलवर, राजस्थान। बरामदगी का विवरण- 05 अदद मोबाइल फोन, 02 अदद म्यूल अकाउंट के एटीएम कार्ड, जामा तलासी में मुकदमा उपरोक्त से संबंधित 6000/- रुपये नगद बरामद तथा उद्यापन में प्रयुक्त मोबाइल में चला सीम बरामद। अभियुक्तों द्वारा अपराध करने का तरीका- गिरफ्तार अभियुक्तगण संगठित रूप से लोगों को धमकाकर साइबर ठगी एवं फर्जी बैंक खातों के माध्यम से अवैध धनराशि के लेन-देन का कार्य करते थे। जांच में पता चला कि अभियुक्त अफसील अपने साथियों के साथ सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर उनमें आर्मी एवं पुलिस अधिकारियों की फोटो लगाकर लोगों को धमकाने व एआई से अश्लील वीडियों बनाकर, डराकर पैसे लेने का कार्य करता था। अभियुक्त नूर उर्फ नंदा एवं राशिद उद्यापन से प्राप्त धनराशि को एटीएम मशीनों से निकालता था। जांच के दौरान महाराष्ट्र बैंक, भिवाड़ी राजस्थान से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज से अभियुक्त की पहचान कर गिरफ्तारी की गई। अभियुक्त वशिम फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते एवं एटीएम कार्ड की व्यवस्था करता था अभियुक्त वारिश के माध्यम से नंदा म्यूल खाता उपलब्ध कराता था। जिसमें पैसा आने पर, निकाल कर देने पर 20फीसदी कमीशन मिलता था। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. प्र0नि0 धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर थाना सोनभद्र। 2. प्र0नि0 एसओजी/सर्विलांस सेल नागेश कुमार सिंह। 3. उ0नि0 उमाशंकर यादव, थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 संजय वर्मा, साइबर सेल जनपद सोनभद्र। 5. का0 जयप्रकाश सरोज, एसओजी टीम जनपद सोनभद्र।6. का0 अभिषेक तिवारी साइबर सेल जनपद सोनभद्र। 7. का0 शिवम सिंह सर्विलांस सेल जनपद सोनभद्र।

डीएम की अध्यक्षता में सड़क परियोजनाओं हेतु भूमि अधिग्रहण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित विभिन्न सड़क परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा भूमि अधिग्रहण की वर्तमान स्थिति, मुआवजा वितरण, अवरोधों तथा लंबित प्रकरणों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क परियोजनाओं से संबंधित भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण कराया जाए, ताकि परियोजनाओं के निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि किसानों एवं प्रभावित व्यक्तियों को शासन की मंशा के अनुरूप नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवादित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। बैठक में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की भी समीक्षा की गई व यूपीडा को निर्देशित किया गया कि चिन्हित की गई सड़कों को समयबद्ध रिस्टोर कराया जाए, यूपीडा से चिन्हित सड़कों की कार्ययोजना प्राप्त कर ली जाए, सड़कों की मरम्मत होने के पश्चात संबंधित उप जिलाधिकारी व अधिशासी अभियंता से ज्वॉइंट सर्वे करा कर यह सुनिश्चित करा लिया जाए कि मानक के अनुरूप सड़कों की मरम्मत कर दी गई है।

आगरा में चमका ग्लैमर का ताज,'नूर-ए-ताज सीज़न 9' का ग्रैंड फिनाले बना यादगार, सितारों ने बढ़ाई शोभा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)आगरा। फैशन, ग्लैमर

और टैलेंट के भव्य संगम 'नूर-ए-ताज सीज़न 9' का ग्रैंड फिनाले बेहद शानदार और यादगार अंदाज़ में संपन्न हुआ। इस मेगा इवेंट ने एक बार फिर आगरा में फैशन इंडस्ट्री की चमक को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कार्यक्रम में टीवी अभिनेत्री शिवानी चक्रबर्ती और टीवी अभिनेता उत्कर्ष गुप्ता ने सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की रौनक को कई गुना बढ़ा दिया। इस अवसर पर नूर-ए-ताज की ब्रांड एंबेसडर हेमा बैजाल एवं आयोजक भानु प्रताप ने विजेताओं और सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। पूरे आयोजन में प्रतिभागियों का आत्मविश्वास, आकर्षक व्यक्तित्व और शानदार प्रस्तुति दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रही। रनवे वॉक और ब्यूटी पेजेंट से सजे इस ग्रैंड शो में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा और खूबसूरती से सभी का दिल जीत लिया। मेकअप टीम सोना मेकओवर और महा लक्ष्मी मेकअप स्टूडियो ने अपने शानदार मेकओवर से प्रतिभागियों के लुक में चार चांद लगा दिए। वहीं ड्रेस पार्टनर वस्त्र दुलार और कृतिका रेंटल ने खूबसूरत परिधानों के जरिए शो को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम की फोटोग्राफी और सिनेमैटिक कवरेज की जिम्मेदारी जेडी फिल्म प्रोडक्शन ने संभाली। उनकी बेहतरीन फोटोग्राफी और प्रोफेशनल कवरेज ने पूरे इवेंट को यादगार बना दिया, जिसकी सभी ने जमकर सराहना की। विजेताओं की सूचीः-मि. केटेगरी प्रथम – देव शर्मा, द्वितीय – राज खेमनानी, तृतीय – कृष्णा वरुण, मिस केटेगरीः- प्रथम – नव्या भारद्वाज, द्वितीय – अनन्या, तृतीय – मुक्ता गोस्वामी, 'नूर-ए-ताज सीज़न 9' ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आगरा केवल ऐतिहासिक धरोहरों का शहर ही नहीं, बल्कि फैशन, ग्लैमर और उभरते टैलेंट का भी बड़ा मंच बन चुका है। इस भव्य आयोजन ने दर्शकों और प्रतिभागियों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली।

थाना पिपरी पुलिस की सक्रिय कार्यवाही से घर से गए चारों नाबालिग बच्चे सकुशल बरामद, परिजनों को किया गया सुपुर्द

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वादी नन्दु पाल पुत्र

रामबरन पाल निवासी चाचा कॉलोनी, वार्ड नं0-3 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र द्वारा थाना पिपरी पर सूचना दी गई कि दिनांक 09.05.2026 को उसका पुत्र आलोक कुमार पाल उम्र करीब 14 वर्ष अपने मित्र रोहित कुमार पुत्र पिन्टू राम उम्र करीब 12 वर्ष, विवेक हरिजन पुत्र सुनील राम उम्र करीब 14 वर्ष एवं अनिकेत राम पुत्र अनिल भारती उम्र करीब 16 वर्ष निवासीगण चाचा कॉलोनी वार्ड नं0-3 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र के साथ घर से बिना बताए कहीं चला गया है। सूचना प्राप्त होने पर थाना पिपरी पर मु0अ0सं0-83/2026 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कर तत्काल बच्चों की तलाश हेतु पुलिस टीम गठित कर प्रभावी कार्यवाही प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों एवं अन्य तकनीकी माध्यमों का गहन परीक्षण करते हुए बच्चों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में आज दिनांक 12.05.2026 को थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा चारों बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। पूछताछ में बच्चों द्वारा बताया गया कि वे आपस में मित्र हैं तथा घूमने के उद्देश्य से बिना किसी को बताए ट्रेन से पटना चले गए थे। उनके साथ किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। आवश्यक पूछताछ एवं विधिक कार्यवाही उपरांत चारों बच्चों को सकुशल उनके परिजनों की सुपुर्दगी में दिया गया।

निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की जिलाधिकारी ने की समीक्षा,निर्माण कार्यो को ससमय गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने के दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ

की तैनाती एवं संबंधित समस्याओं के निराकरण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज से कहा कि नर्सिंग स्टाफ से संबंधित सभी समस्याओं का जनपद स्तर पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन समस्याओं के समाधान हेतु शासन स्तर पर कार्यवाही आवश्यक हो, उन्हें तत्काल उच्च स्तर पर पत्राचार कर शासन को प्रेषित किया जाए, जिससे मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु सभी आवश्यक कदम प्राथमिकता के आधार पर उठाने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा जनपद में जिला खनिज फाउंडेशन निधि से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि पांच करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच आई0आई0टी0 जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से कराई जाए। इसके अतिरिक्त अन्य परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच हेतु टीम गठित कर नियमित परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत ही अग्रिम कार्यवाही की जाए तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी श्री इंद्रभान सिंह, सीनियर माइंस ऑफिसर कमल कश्यप, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग श्री नूर आलम सहित संबंधित निर्माण एजेंसियों के अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।

सोनभद्र में शंकराचार्य की सनातन जागृति यात्रा, बोले- जो गौ रक्षा की बात करेगा, समर्थन उसी को मिलेगा

भगवा पहनकर गौमांस का लाइसेंस देने वाले संत नहीं, योगी सरकार पर साधा निशाना, गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। जिले में ज्योतिर्मठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गौ संरक्षण एवं सनातन जागृति यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। दुद्धी, हाथीनाला, ओबरा, घोरावल और रॉबर्ट्सगंज समेत जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत समाज और राजनीतिक दलों के लोग शामिल हुए। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर निकाली जा रही इस यात्रा के दौरान शंकराचार्य ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवा कपड़ा पहनकर गौमांस बेचने का लाइसेंस देने वाले संत नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जो दल गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करेगा, समर्थन उसी को मिलेगा। गौ संरक्षण एवं सनातन जागृति यात्रा के तहत ज्योतिर्मठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का काफिला जिले के विभिन्न हिस्सों में पहुंचा। हाथीनाला स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर, ओबरा के मानस भवन, घोरावल क्षेत्र और रॉबर्ट्सगंज नगर में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और गौ-पूजन के साथ उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जबकि सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे। ओबरा

मानस भवन में आयोजित सभा के दौरान शंकराचार्य ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय केवल पशु नहीं बल्कि माता का स्वरूप है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सोच गाय को केवल दूध और मांस के दृष्टिकोण से देखती है, जबकि भारतीय परंपरा में गाय सेवा, संस्कार और आस्था का प्रतीक है। उन्होंने राजा दिलीप और रघुवंश की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि गौ सेवा से ही रघुवंश की स्थापना हुई और उसी वंश में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। घोरावल विधानसभा में सभा के दौरान घोरावल सपा के पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे के कार्यक्रम में मौजूद लोगों का आभार व्यक्त करते हुए रॉबर्ट्सगंज विधायक अविनाश कुशवाहा व घोरावल विधायक रमेश चंद दुबे को गोवंश स्थल बनाने के लिए एक-एक रुपए चंदा लेकर बनाने का संकल्प दिलाया। इसके उपरांत समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश पांडे उर्फ जयपुर पांडे के कार्यक्रम में उपस्थित हुए।मीडिया से बातचीत में शंकराचार्य ने प्रदेश सरकार और भाजपा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग भगवा वस्त्र पहनकर गौमांस बेचने का लाइसेंस जारी कर रहे हैं, वे संत नहीं हो सकते। बिना नाम लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि रावण भी भगवा वेश धारण कर आया था, इसलिए केवल वस्त्र देखकर किसी को संत नहीं माना जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि गौ रक्षा के नाम पर राजनीति की जा रही है, जबकि जमीन पर गौवंश की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।शंकराचार्य ने कहा कि उनकी यात्रा का केवल एक उद्देश्य है गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाना। उन्होंने साफ कहा कि जो राजनीतिक दल यह संकल्प लेगा, उसी को उनका समर्थन मिलेगा, चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। उन्होंने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके कार्यक्रमों में विपक्षी दलों के लोग तो दिख रहे हैं, लेकिन भाजपा के लोग गाय के मुद्दे से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं।अपने संबोधन में शंकराचार्य ने सनातन धर्म, शास्त्र आधारित जीवन, मर्यादा और विवेक पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज समाज में धर्म के नाम पर भ्रम फैलाया जा रहा है और लोग बाहरी वेशभूषा देखकर किसी को भी संत मान लेते हैं। रामचरितमानस और लक्ष्मण रेखा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक आधार सदाचार और आचरण है, न कि केवल भगवा वस्त्र। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में अधर्म और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही सच्चा धर्म है। जटायु प्रसंग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब एक पक्षी भी माता सीता के हरण पर शांत नहीं बैठा, तो सनातन समाज अधर्म देखकर मौन कैसे रह सकता है। उन्होंने कहा कि समाज को यह तय करना होगा कि धर्म के पक्ष में कौन खड़ा है और अधर्म के साथ कौन खड़ा है। शंकराचार्य ने कहा कि इस यात्रा में सबसे पहले भाजपा वालों को सामने खड़ा होना चाहिए था, किंतु वह गौ माता के नाम पर हिंदुत्व और विकास के नाम पर वोट केवल मांगते हैं। इस बार अगर वोट करें तो जो गौ रक्षा करे उसे ही वोट दें। यात्रा के दौरान गौ संरक्षण को मजबूत करने के लिए प्रत्येक विधानसभा स्तर पर प्रतिनिधियों की नियुक्ति का भी ऐलान किया गया। शंकराचार्य ने कहा कि गोरखपुर से शुरू हुई यह यात्रा अब तक 45 जिलों का भ्रमण कर चुकी है और 24 जुलाई तक प्रदेश के सभी 80 जिलों में पहुंचकर गौ धाम निर्माण और गौ संरक्षण का संदेश देगी। कार्यक्रम के अंत में रॉबर्ट्सगंज स्थित राम-जानकी मंदिर में पूजन-अर्चन के बाद शंकराचार्य का काफिला चंदौली के लिए रवाना हो गया।

मारवाड़ी युवा मंच महिला शाखा सोनभद्र मातृ दिवस के दिन को धूमधाम से मनाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मारवाड़ी युवा मंच महिला शाखा सोनभद्र बीते रविवार को मंच के द्वारा

मातृ दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंच की संस्थापिका स्वर्गीय श्रीमती मीना अग्रवाल जी की स्मृति में उनके चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्वलित किया गया और गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात मंच की सभी पूर्व अध्यक्षों जैसा की मीना अग्रवाल जी की बहू स्वाति अग्रवाल, सुनीता सराफ,निशा अग्रवाल, अंकिता केजरीवाल व ऋतु जालानजी को सम्मानित कर उनके अनुभव को मंच के द्वारा साझा किया गया। जिससे मंच का कार्य और मजबूती से हो सके। वहीं दूसरी ओर आयशा अग्रवाल ने मां पर नित्य प्रस्तुत किया जो बहुत ही भावनात्मक रहा।मंच की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सांवरिया जी ने भी मां पर भजन प्रस्तुत किया जो सभी की आंखों में आंसू भर लाया व सभी के सामने अपने मां की तस्वीर घूमने लगी। इस पावन अवसर पर सभी माताओं से कोषाध्यक्ष पूनम केड़िया जी ने कई प्रश्न किया जो उनके दैनिक जीवन से ताल्लुक रखते हैं व जवाब देने पर उन्हें पुरस्कार भी वितरण किया गया। पुरस्कार पाने वाली माताओं में सुचिता खेतान, श्रेया जालान शशि केड़िया, सुमन केजरीवाल, प्रतिभा कानोड़िया रहीं। फिर सभी माताओं से कुर्सी दौड़ भी कराई गई जिससे सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया वह प्रथम स्थान पाने वाली ज्योति मित्तल जी को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जलपान का भरपूर आनंद लिया व कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती चित्रा जालान जी ने किया व बताया कि मातृ दिवस क्यों मनाया जाता है? व मई महीने के दूसरे रविवार को ही मातृ दिवस क्यों मनाते हैं? उन्होंने सभी माताओं से अपील भी की कि बच्चों को अपने संस्कार व परंपरा की भरपूर जानकारी दी दें जिससे जीवन के अंतिम समय में वृद्ध आश्रम जाने की नौबत ना आए। इस अवसर पर उषा जालान, सुचिता खेतान ,सुमन केजरीवाल, एकता केजरीवाल, अंकिता केजरीवाल, रितु अग्रवाल, शराफ, सुनीता सांवरिया, चित्रा जालान, प्रतिभा कनोडिया, ,रितु जालान ,रिंकी जालान ,अनीता थर्ड ,दीप्ति केड़िया ,पूनम केड़िया ,सुनीता सांवरिया, स्वाति अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, श्रेया जालान आदि सभी सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की तिथि बढ़ी

अब 14 मई 2026 तक होगा खाद्यान्न वितरण, ई-पॉश मशीन व मोबाइल ओटीपी से भी मिलेगी सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी श्री ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार माह मई 2026 के सापेक्ष राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत पात्र गृहस्थी एवं अन्त्योदय कार्डधारकों को निःशुल्क खाद्यान्न (गेहूं एवं चावल) वितरण की अवधि बढ़ाकर 14 मई 2026 तक कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 08 मई 2026 तक कुछ उचित दर दुकानों पर खाद्यान्न वितरण पूर्ण नहीं हो सका था, जिसके दृष्टिगत लाभार्थियों की सुविधा हेतु वितरण अवधि विस्तारित की गयी है, ताकि कोई भी पात्र कार्डधारक खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रहे। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि वितरण कार्य ई-पॉश मशीन के माध्यम से आधार आधारित प्रमाणीकरण के जरिए किया जाएगा। जिन लाभार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन किसी कारणवश नहीं हो पा रहा है, उन्हें मोबाइल ओटीपी सत्यापन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने जनपद के समस्त राशन कार्डधारकों से अपील की है कि जिन परिवारों के सदस्यों की ई-केवाईसी अभी तक पूर्ण नहीं हुई है, वे संबंधित उचित दर दुकान पर उपस्थित होकर शीघ्र ई-केवाईसी पूर्ण कराएं, जिससे भविष्य में खाद्यान्न वितरण का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त हो सके।

होटल डीजायर में सवर्ण जागरण संगोष्ठी का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। होटल डीजायर में

आज सवर्ण जागरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में

सामाजिक, शैक्षिक एवं संवैधानिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जुगुल किशोर तिवारी ने अपने संबोधन में यूजीसी जैसे कानूनों का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कानून समाज के हितों के विपरीत हैं तथा इससे युवाओं एवं शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ऐसे प्रावधानों पर पुनर्विचार करने की मांग की। संगोष्ठी में उपस्थित विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष सवर्ण आर्मी सूरज प्रसाद चौबे जी ने सामाजिक एकता, शिक्षा में समान अवसर तथा संवैधानिक अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में समाजहित में जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। हाल ही में आशुतोष उपाध्याय ने कथित रूप से कहा कि यूजीसी से जुड़े नए प्रावधानों/नियमों का दुरुपयोग 'एससी/एसटी एक्ट से भी खतरनाक' हो सकता है और समाज को इसके प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। यह बयान उस समय सामने आया है जब यूजीसी की नई 'इक्विटी रेगुलेशन्स' को लेकर देशभर में बहस और विरोध चल रहा है। अनिल मिश्रा ने सवर्णों को संबोधित करते हुए कहा की जिनको सवर्ण समाज ने सत्ता दिया उन्होने उनकी गर्दन मरोडने का काम किया है । यह किसी स्थिती मे बर्दाश्त नही किया जाएगा। वक्ताओ मे रामानंद पाण्डेय ,मृदुल मिश्रा,जितेंद्र कुमार सिंह, प्रतीक प्रताप सिंह ।कार्यक्रम का संचालन सवर्ण आर्मी भारत के राष्ट्रीय सचिव सूर्य कांत द्विवेदी जी द्वारा किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता सवर्ण आर्मी भारत के जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला ने किया। संगोष्ठी मे सुमित मिश्रा ,संतोष पाण्डेय जी ,नीरज ,सत्य नारायण, चिन्तामणि, धर्मेंद् शुक्ला,प्रवेश पाठक, आशिष शुक्ला,राजेश पाण्डेय, व सौकड़ों सवर्ण समाज उपस्थित रहा।

ब्लड प्रेशर क्यों बढ़ता है,क्या बिना दवा भी हो सकता कंट्रोल,अगर हाई बीपी है तो डॉक्टर से पूछें ये सवाल

नयी दिल्ली। हाई ब्लड प्रेशर आज की सबसे कॉमन हेल्थ प्रॉब्लम है। बीपी बढ़ने पर लोग डॉक्टर के पास जाते हैं और सजेस्ट की गई दवाएं खाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर काफी हद तक कंट्रोल हो जाता है और मशीन में नंबर्स ठीक दिखने लगते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ नंबर कंट्रोल होना ही काफी है? अमेरिकन कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर जैक वुल्फसन के मुताबिक, बीपी की दवाएं सिर्फ रीडिंग कम करती हैं, बीमारी की असली वजह को ठीक नहीं करती हैं। हाई बीपी शरीर का एक अलार्म है, जो बताता है कि अंदर कुछ गड़बड़ चल रही है। यह लगातार तनाव, नींद की कमी, पेट की चर्बी, इंसुलिन रेजिस्टेंस या नर्व प्रॉब्लम का संकेत हो सकता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट डॉ. समीर कुब्बा डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से- इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में समझेंगे बीपी बढ़ने की असली वजह क्या है। साथ ही जानेंगे कि- क्या सिर्फ दवाओं से बीपी कंट्रोल हो सकता है? बीपी बढ़ने पर डॉक्टर कौन-से सवाल पूछने चाहिए? सवाल- ब्लड प्रेशर का क्या मतलब है? जवाब- हमारे शरीर के हर अंग को काम करने के लिए ब्लड की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि ब्लड पूरे शरीर की

नसों में लगातार बहता रहे। इस प्रक्रिया के लिए हार्ट लगातार पंप करता है। जब हार्ट पंप करता है, तो ब्लड फ्लो से नसों की दीवारों पर दबाव पड़ता है। ब्लड फ्लो से पड़े इसी दबाव को ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस प्रेशर को दो नंबर में मापा जाता है, सिस्टोलिक और डायस्टोलिक प्रेशर-पहला नंबर यानी सिस्टोलिक प्रेशर बताता है कि हार्ट के पंप करने पर प्रेशर कितना है। दूसरा नंबर यानी डायस्टोलिक प्रेशर बताता है कि हार्ट के आराम की स्थिति में ब्लड प्रेशर कितना है। सवाल- ब्लड प्रेशर का बढ़ना खतरनाक क्यों है? जवाब- ज्यादा प्रेशर नसों की दीवारों को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है। इससे हार्ट को ब्लड पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। लंबे समय तक ब्लड प्रेशर हाई रहने से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, किडनी फेलियर और आंखों की रोशनी कमजोर होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि अक्सर इसके लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अंदर-ही-अंदर

शरीर को नुकसान होता रहता है। सवाल- ब्लड प्रेशर बढ़ने की असली वजह क्या होती है? जवाब- मुख्य रूप से इन कारणों से बढ़ता है ब्लड प्रेशर- लंबे समय तक ज्यादा नमक और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाने से शरीर में सोडियम बढ़ने के कारण। लगातार तनाव रहने से स्ट्रेस हार्मोन यानी कॉर्टिसोल, एड्रेनालिन के बढ़ने के कारण। फिजिकल एक्टिविटी बहुत कम होने से से इंसुलिन रेजिस्टेंस और फैट

जमा होने के कारण। बेली फैट बढ़ने से शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ने के कारण। नींद की कमी और अनियमित दिनचर्या से हार्ट रेट और हॉर्मोनल बैलेंस बिगड़ने के कारण। स्मोकिंग, शराब और बहुत

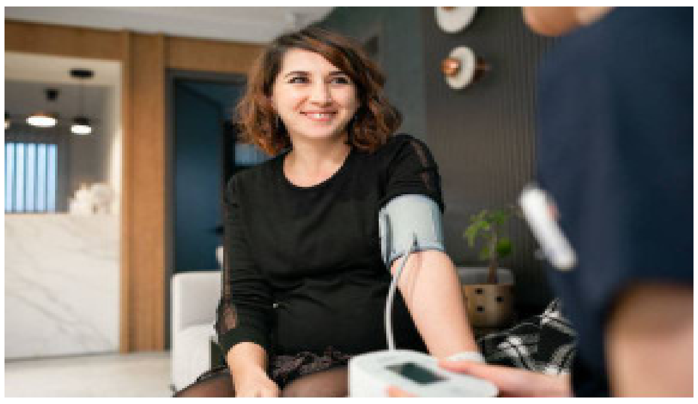

मीठा खाने से नसों की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचने के कारण। सवाल- क्या सिर्फ दवाओं से बीपी को पूरी तरह कंट्रोल किया जा सकता है? जवाब- यह हमेशा जरूरी नहीं है कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए दवा खानी ही पड़ेगी। अगर ब्लड प्रेशर बहुत ज्यादा नहीं है और हाइपरटेंशन की स्थिति नहीं बनी है, तो इसे लाइफस्टाइल में बदलाव करके कंट्रोल किया जा सकता है। अगर ब्लड प्रेशर लंबे समय तक बढ़ा रहे, तो डॉक्टर की सलाह से दवाएं लेना जरूरी है। सवाल- बीपी बढ़ने पर डॉक्टर के पास गए हैं तो क्या सवाल पूछने चाहिए? जवाब- ब्लड प्रेशर बढ़ने पर डॉक्टर से ये 15 सवाल जरूर पूछें- सवाल- क्रॉनिक स्ट्रेस और नींद की कमी का बीपी पर क्या असर पड़ता है? जवाब- क्रॉनिक स्ट्रेस यानी लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव शरीर में स्ट्रेस हॉर्मोन, जैसे कॉर्टिसोल और एड्रेनलिन को बढ़ाता है। ये हॉर्मोन ब्लड वेसल्स को सिकोड़ते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। वहीं नींद की कमी से शरीर को रिकवरी का समय नहीं मिलता है। रात की नींद में बीपी नेचुरली कम होता है, लेकिन जब नींद पूरी नहीं होती तो बीपी लगातार हाई बना रहता है। लगातार खराब नींद और तनाव से हार्ट अटैक व स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सवाल- बेली फैट और इंसुलिन रेजिस्टेंस का बीपी से क्या रिलेशन है? जवाब- पेट के आसपास जमा चर्बी यानी बेली फैट सिर्फ वजन नहीं बढ़ाती, बल्कि हॉर्मोनल गड़बड़ी भी पैदा करती है। इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है यानी शरीर इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाता है। इसके कारण ब्लड वेसल्स सख्त होने लगती हैं और इनमें सूजन आ जाती है। इससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और बीपी बढ़ने लगता है। यही वजह है कि मोटापा, डायबिटीज और हाई बीपी की समस्या अक्सर एक साथ होती है। सवाल- ज्यादा नमक खाने से बीपी क्यों बढ़ता है? जवाब- नमक में मौजूद सोडियम के कारण बॉडी में वॉटर रिटेंशन बढ़ जाता है। इससे शरीर में ब्लड की मात्रा बढ़ती है और नसों पर दबाव बढ़ता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। ज्यादा सोडियम ब्लड वेसल्स को सख्त कर देता है, जिससे उनकी फ्लेक्सिबिलिटी कम हो जाती है। इसलिए पैकेज्ड फूड, अचार, नमकीन और फास्ट फूड में नमक ज्यादा होता है, जो बीपी को धीरे-धीरे बढ़ाते हैं। सवाल- किन हालात में बीपी की दवाएं न लेना खतरनाक हो सकता है? जवाब- अगर किसी व्यक्ति का बीपी लगातार हाई है या उसे पहले से हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, किडनी की बीमारी या डायबिटीज है, तो दवाएं न लेना खतरनाक हो सकता है। ऐसे मामलों में सिर्फ लाइफस्टाइल सुधारना काफी नहीं होता। दवा छोड़ने से अचानक बीपी बढ़ सकता है। इससे हार्ट अटैक, ब्रेन हैमरेज या किडनी फेल होने का खतरा रहता है। डॉक्टर की सलाह के बिना बीपी की दवा बंद करना खतरनाक हो सकता है। सवाल- किन लोगों का बीपी लाइफस्टाइल ठीक करने से कंट्रोल हो सकता है? जवाब- जिन लोगों का बीपी शुरुआती स्टेज में है, उनका बीपी लाइफस्टाइल सुधार से कंट्रोल हो सकता है। बिना दवा के बीपी कैसे कंट्रोल करें- खान पान , धूम्रपान, नमक आदि से ,सवाल- बीपी की दवाओं के साथ सही डाइट और एक्सरसाइज क्यों जरूरी है? जवाब- दवाएं ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करती हैं, लेकिन उसकी वजह को ठीक नहीं करती हैं। गलत डाइट, मोटापा, तनाव और सिडेंटरी लाइफस्टाइल बीपी की असली वजह होते हैं। हेल्दी डाइट और रेगुलर एक्सरसाइज से ये समस्याएं ठीक हो सकती हैं। एक्सरसाइज के 9 फायदे- बीपी मेडिसिन का असर बढ़ता है। बीपी जल्दी कंट्रोल होता है। वजन और बेली फैट घटता है। ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है। दवा की डोज कम हो सकती है। हार्ट हेल्थ बेहतर होती है। स्ट्रेस कम होता है। सॉल्ट और फैट कंट्रोल रहता है ओवरऑल हेल्थ बेहतर होती है। सवाल- क्या एक बार बीपी की दवा शुरू होने पर जिंदगी भर लेनी पड़ती है? जवाब- हर मरीज के लिए यह जरूरी नहीं है। कुछ लोगों में बीपी अस्थायी कारणों, जैसे मोटापा, तनाव या खराब लाइफस्टाइल से बढ़ता है। अगर वे लाइफस्टाइल में बड़ा सुधार कर लें, तो डॉक्टर दवा कम या बंद भी कर सकते हैं। लेकिन जिनका बीपी लंबे समय से ज्यादा बना हुआ है या जिनकी वजह जेनेटिक है, उन्हें लंबे समय तक दवा लेनी पड़ सकती है। हालांकि, यह फैसला हमेशा डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें।

बेंगलुरु के टिम डेविड पर मैच फीस का 30फीसदी जुर्माना, मुंबई पर जीत के बाद अश्लील इशारा किया था

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड को मुंबई इंडियंस

(एमआई) के खिलाफ मैच में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट उल्लंघन का दोषी पाया गया है। मैच रेफरी ने उन पर मैच फीस का 30फीसदी जुर्माना लगाया। साथ ही दो डिमेरिट पॉइंट्स भी दिए हैं। आईपीएल के आधिकारिक बयान के अनुसार, टिम डेविड को लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया है। उन पर 'अश्लील, आपत्तिजनक या अपमानजनक इशारा' करने का आरोप है। उन्होंने मुंबई इंडियंस की ड्रेसिंग रूम की ओर ऊंगली उठाकर इशारा किया था। इस हार के साथ मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। डेविड का इशारा उसी ओर माना जा रहा है। डेविड ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी अमित शर्मा की सजा मान ली है। लेवल 1 उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। डेविड के अलावा, आरसीबी के हेड कोच एंडी फ्लावर पर भी मैच फीस का 15फीसदी जुर्माना लगाया गया है। फ्लावर को 'अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए दंडित किया गया है। उन्होंने फोर्थ अंपायर से आक्रामक लहजे में बात की थी। 3 डिमेरिट पॉइंट्स मिलने पर सस्पेंशन-नियमों के मुताबिक, एक सीजन में 3 डिमेरिट पॉइंट्स मिलने पर खिलाड़ी सस्पेंड हो सकता है। डेविड को फिलहाल दो पॉइंट्स मिले हैं। एक और पॉइंट जुड़ने पर उन्हें अगले मैच से बाहर बैठना पड़ सकता है। पंजाब-दिल्ली मैच के बाद अक्षर पर भी जुर्माना लगा-आईपीएल के 55वें मैच के बाद दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल पर स्लो ओवर रेट के कारण जुर्माना लगा है। उनकी आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने उन पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। घ्इ्थ की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि आचार संहिता के तहत यह इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की पहली गलती थी, इसलिए कप्तान पर न्यूनतम जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में दिल्ली ने पंजाब को 3 विकेट से हराया।

तमीम इकबाल बोले- बीसीसीआई से कोई विवाद नहीं,कहा- वर्ल्ड कप छोड़ना खिलाड़ियों के साथ अन्याय

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अंतरिम अध्यक्ष और पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हटने के फैसले को एक बड़ी प्रशासनिक चूक

बताया है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में तमीम ने कहा कि पिछली सरकार और बोर्ड ने जिस तरह से इस मुद्दे को संभाला, वह सही नहीं था। 37 साल के पूर्व ओपनर इकबाल ने कहा कि बीसीसीआई और भारत के साथ अब उनके कोई मतभेद नहीं हैं और वे द्विपक्षीय संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने बीसीसीआई के प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास को अपना पुराना दोस्त बताया। उन्होंने कहा-'मैंने मिथुन के साथ बहुत क्रिकेट खेला है। आईपीएल में हम एक ही टीम में थे और वे ढाका लीग खेलने कई बार बांग्लादेश आए हैं। हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है।' कहा- वर्ल्ड कप से नाम वापस लेना गलत तमीम ने वर्ल्ड कप से नाम वापस लेने के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, 'हमने 1996-97 में वर्ल्ड कप क्वालीफाई करने के लिए कितना संघर्ष किया था, मुझे आज भी याद है। बिना किसी ठोस बातचीत के वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से नाम वापस लेना गलत था। टीम में ऐसे कई खिलाड़ी होंगे जो शायद अब दोबारा कभी वर्ल्ड कप न खेल पाएं। सुरक्षा को लेकर कोई वास्तविक खतरा नहीं था, भारत में हमारे खिलाड़ियों का हमेशा स्वागत होता है।' तमीम की 5 बड़ी बातें- बीसीसीआई से रिश्तेः जय शाह और मिथुन मन्हास के बारे में केवल अच्छी बातें सुनी हैं, आईसीसी एक परिवार की तरह है। पैसा विकास में खर्च होगाः बीसीबी के पास बैंक में 1,300 करोड़ रुपए हैं। तमीम इसे इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों की सुविधाओं पर खर्च करना चाहते हैं। चुनाव की तैयारीः तमीम को चुनाव कराने के लिए 90 दिन मिले थे, लेकिन वे इसे 60 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रख रहे हैं।

पिछली बोर्ड की विफलताः पिछली बोर्ड की कार्यप्रणाली के कारण ढाका की कई स्थानीय टीमों ने खेलने से मना कर दिया था और खिलाड़ियों को भुगतान नहीं हो रहा था। व्यावसायिक नजरियाः बोर्ड चलाने के लिए केवल क्रिकेट का ज्ञान काफी नहीं, बल्कि मार्केटिंग, फाइनेंस और ब्रांडिंग के विशेषज्ञों की भी जरूरत है। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कानून की मांग की तमीम इकबाल ने खेल में भ्रष्टाचार और सट्टेबाजी को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा- 'मैंने खेल मंत्री और गृह मंत्री से बात की है। मैं चाहता हूं कि खेल में भ्रष्टाचार करने वालों के लिए 10 साल की जेल का कानून बने। खिलाड़ियों और बच्चों को यह समझ आना चाहिए कि अगर वे सट्टेबाजी या फिक्सिंग में शामिल होते हैं, तो उन्हें जेल जाना पड़ेगा। केवल बैन लगना काफी नहीं है।'

फ्रेंच ओपन में भारतीय मूल के बसवरेड्डी को वाइल्ड कार्ड,पूर्व चैंपियन वावरिंका को भी डायरेक्ट एंट्री मिली, 24 मई से शुरू होगा टूर्नामेंट

पेरिस। भारतीय मूल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी निशेष

बसवरेड्डी समेत 8 खिलाड़ियों को फ्रेंच ओपन में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। सोमवार को आयोजकों ने इसका ऐलान किया। यह प्रतिष्ठित

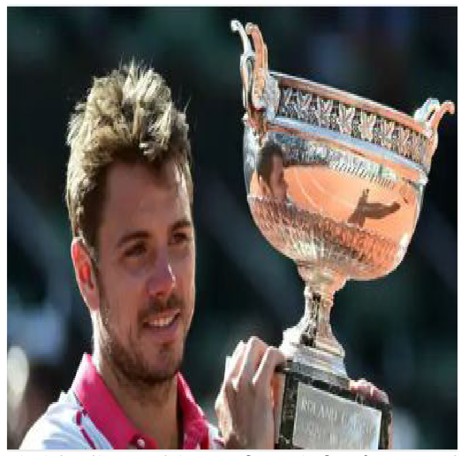

क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट 24 मई से शुरू होगा। निशेष बसवरेड्डी के साथ तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका और फ्रांस के स्टार खिलाड़ी गेल मोंफिल्स को भी फ्रेंच ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। 41 साल के वावरिंका और 39 साल के मोंफिल्स इस साल के अंत में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले सकते हैं। ऐसे में यह उनका आखिरी फ्रेंच ओपन हो सकता है। वावरिंका ने 2015 में जीता था फ्रेंच ओपन-स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने 2015 में रोलां गैरो का खिताब जीता था। फिलहाल वे एटीपी रैंकिंग में 125वें नंबर पर हैं। फ्रांस के गेल मोंफिल्स 2008 में पेरिस में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। आयोजकों ने कहा कि पेरिस में आखिरी मैचों के बाद दोनों खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। पुरुष ड्रा में टिटुआन ड्रोगुएट, ह्यूगो गैस्टन, आर्थर गेआ, मोइस कुआमे और एडम वाल्टन को भी वाइल्ड कार्ड मिला है। महिला सिंगल्स के लिए भी वाइल्ड कार्ड का ऐलान किया गया है। इसमें क्लारा ब्यूरेल, केसेनिया एफ्रेमोवा, फियोना फेरो, लियोलिया जीनजीन, इमर्सन जोन्स, सारा राकोटोमंगा, एलिस टुबेलो और आकाशा उरहोबो शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को बिना क्वालीफाइंग खेले सीधे मुख्य ड्रॉ में जगह मिलेगी। निशेष बसवरेड्डी के माता-पिता आंध्र प्रदेश से-निशेष बसवरेड्डी के माता-पिता मूल रूप से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर से हैं। उनके पिता का नाम मुरलीकृष्ण बसवरेड्डी और माता का नाम साई प्रसन्ना है। वे 1999 में भारत से अमेरिका जाकर बस गए थे। 21 साल के बसवरेड्डी इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड तक पहुंचे थे।

बांग्लादेश के टी-20 वर्ल्डकप से बाहर होने की जांच शुरू,पूर्व कप्तान हबीबुल और दस्तगीर को जगह मिली

ढाका। बांग्लादेश की नई सरकार ने अपनी टीम के टी-20 वर्ल्डकप से बाहर होने की जांच शुरू कर दी है। वहां के खेल मंत्रालय ने सोमवार को एक तीन मेंबर्स की कमेटी का गठन किया। जो इस बात की पड़ताल करेगी कि आखिर क्या परिस्थितियों और फैसलों के कारण बांग्लादेश को इस बड़े टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। इस कमेटी को एडिशनल सेक्रेटरी डॉ. एकेएम वली उल्लाह करेंगे। इसमें पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता हबीबुल बशर और फैसल दस्तगीर को भी शामिल किया गया है। कमेटी 15 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इन पॉइंट्स पर जांच होगी- क्या वास्तव में टीम के लिए सुरक्षा का कोई खतरा था? मैच शिफ्ट करने की मांग के पीछे राजनीतिक दबाव कितना था? खिलाड़ियों की राय ली गई थी या नहीं? बांग्लादेश ने सुरक्षा का हवाला देकर भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से मना कर दिया था। काफी बातचीत के बाद जब बांग्लादेशी बोर्ड नहीं माना तो आईसीसी ने 24 जनवरी को बांग्लदेशी टीम को वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया। उसकी जगह स्कॉटलैंड को मौका दिया गया था। अब तक क्या क्या हुआ -3 जनवरी- बीसीसीआई ने केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को IPL से निकालने का आदेश दिया। 4 जनवरी - बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी से टी-20 वर्ल्ड कप के अपने मैच भारत से बदलने की अपील की। 6 जनवरी - खबर आई कि आईसीसी ने बीसीबी की मैच वेन्यू बदलने की मांग खारिज कर दी। 7 जनवरी- बीसीबी ने इसका खंडन किया और कहा कि आईसीसी से बात जारी है। 8 जनवरी - बीसीबी ने आईसीसी को दोबारा पत्र लिखकर वेन्यू बदलने की मांग की। 13 जनवरी- आईसीसी ने बीसीबी अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस पर कहा- भारत में कोई खतरा नहीं। 17 जनवरी - आईसीसी के 2 अधिकारी पहुंचे। पहली बैठक में बीसीबी ने ग्रुप बदलने की मांग की। दूसरी बैठक में मांग खारिज, आईसीसी ने 21 जनवरी तक खेलने या ने खेलने का फैसला लेने को कहा। 21 जनवरी - आईसीसी बोर्ड मेंबर्स की मीटिंग, वेन्यू बदलने की मांग खारिज । बांग्लादेश को एक दिन का टाइम दिया। 22 जनवरी - खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा कि टीम टी-20 वर्ल्ड कप के अपने मैच भारत में नहीं खेलेगी। 24 जनवरी - आईसीसी ने बांग्लादेश को बाहर किया, स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में मौका। 1 फरवरी- पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बॉयकॉट कर दिया। 9 फरवरी- पाकिस्तान सरकार का यू-टर्न, भारत से मैच के लिए मानी। इस विवाद की शुरुआत 3 जनवरी को हुई थी, जब बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने का निर्देश दिया था। जवाब में बांग्लादेश के तत्कालीन खेल सलाहकार आसिफ नजरूल ने फेसबुक पर घोषणा की कि वे सुरक्षा कारणों से टीम को भारत नहीं भेजेंगे और आईसीसी से मैच श्रीलंका शिफ्ट करने की मांग करेंगे। नई सरकार का रुखः 'भारत से सुधरेंगे रिश्ते' बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद खेल मंत्री अमीनुल हक ने स्पष्ट किया है कि वे भारत के साथ खेल संबंधों को फिर से सुधारना चाहते हैं। उन्होंने संसद में कहा कि पिछली सरकार और बोर्ड ने इस मुद्दे को जिस तरह से संभाला, उसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। दिलचस्प बात यह है कि चुनाव से ठीक पहले पूर्व खेल सलाहकार आसिफ नजरूल अपने बयान से पलट गए थे और इस पूरी विफलता का ठीकरा खिलाड़ियों पर फोड़ दिया था।

मंडेला से सीखें दृढ़ निश्चय की ताकत,दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं स्किल है

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के ट्रांसकेई में एक छोटा-सा गांव था- म्वेजों। वहीं एक गरीब जनजातीय परिवार में 1918 में नेल्सन मंडेला का जन्म हुआ। बचपन से ही उन्होंने भेदभाव और अन्याय झेला। कॉलेज में पढ़ते वक्त जब उन्होंने देखा कि अश्वेतों को इंसान नहीं, गुलाम समझा जाता है तो उन्होंने तय कर लिया कि वो इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके लिए उन्हें बार-बार जेल भेजा गया, प्रताड़ित किया गया और अंत में तो 27 साल तक कालकोठरी में बंद कर दिया गया। मगर मंडेला न डरे, न झुके, न टूटे। जेल की सलाखों के पीछे भी वे हर दिन खुद से कहते रहे- मेरा संघर्ष सही है, मेरी लड़ाई रंगभेद के खिलाफ है और एक दिन हमें आजादी जरूर मिलेगी। सोचिए ऐसी कौन-सी ताकत थी, जो 27 साल तक उन्हें जेल में भी उन्हें नहीं तोड़ सकी? उसका जवाब है- दृढ़ निश्चय। वो निश्चय, जो हर दिन उन्हें जगा देता था, जो उन्हें अपने लक्ष्य से भटकने नहीं देता था और जिसने उन्हें नायक बना दिया। 'दृढ़ निश्चय' यानी डिटर्मिनेशन। हम समझेंगे कि सफलता में दृढ़ निश्चय की भूमिका कितनी अहम है और इसे कैसे अपने भीतर मजबूत किया जा सकता है। जो ठान लो, वो करके दिखाओ- यही है दृढ़ निश्चय, दृढ़ निश्चय का मतलब है, अपने फैसले पर अडिग रहना, चाहे हालात जैसे भी क्यों न हों। ऐसे लोगों के इरादे, मौसम की तरह बदलते नहीं हैं। उन्हें हमेशा अपनी मंजिल दिखती रहती है, चाहे रास्ते में कितनी भी कठिनाई आए।दृढ़ निश्चय ऐसी पावर है, जो आपको लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है, फिर चाहे रास्ते में कितनी भी बाधाएं आएं। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग मुश्किल हालात में भी अपने गोल्स से नहीं भटकते हैं, उनके दिमाग में 'ऐन्टीरियर सिंग्युलेट कॉर्टेक्स' ज्यादा सक्रिय रहता है। ये दिमाग का वो हिस्सा है, जो हमें फोकस बनाए रखने, दबाव में निर्णय लेने और बड़े लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करता है।आत्मविश्वास रखिये आप असफलताओं से डरना बंद कर देते हैं।, धैर्य जिससे आप लंबे समय तक मेहनत करने को तैयार रहते हैं।, निर्णय क्षमता जिससे आप कठिन परिस्थितियों में बेहतर फैसले लेते हैं। अवसर जिससे यह आपको रुकावटों को अवसरों में बदलने की ताकत देता है।दृढ़ निश्चय कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि एक स्किल है, जिसे अभ्यास से डेवेलप किया जा सकता है। इसके 4 आसान तरीके हैं, अपने सपने को स्पष्ट करें। यह नौकरी, बिजनेस, या सामाजिक बदलाव हो सकता है। हर दिन पूछें: 'मैं यह क्यों चाहता हूं?' मंडेला का 'व्हाई' था- समानता। आपका 'व्हाई' आपको भटकने नहीं देगा। .असफलता को विराम समझें न की हार, हार अंत नहीं, एक पड़ाव है। मंडेला ने 27 साल जेल में बिताए, लेकिन इसे खत्म नहीं माना। हर असफलता से सीखें और आगे बढ़ें। हर हार के बाद लिखें मैंने इससे क्या सीखा? बड़ा सोचें और धीरे चलें मंडेला का लक्ष्य सिर्फ अपनी आजादी नहीं, पूरे देश की आजादी था। बड़ा लक्ष्य आपको प्रेरित रखता है, लेकिन छोटे कदम आपको वहां ले जाते हैं।क्या करें: अपने लक्ष्य को 5 साल, 1 साल और 1 महीने के टुकड़ों में बांटें।हर किसी की जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जब हालात पूछते हैं- अब क्या करोगे? वहीं से आपकी सच्ची कहानी शुरू होती है।खुद से ये 5 बातें रोज कहें मेरा लक्ष्य बड़ा है, इसलिए मेरी राह भी कठिन होगी।मैं मुश्किलों से नहीं डरता, मैं उनसे सीखता हूं।हर असफलता मुझे एक कदम मजबूत बनाती है।मुझे कोई नहीं रोक सकता, जब तक मैं खुद न रुकूं।मैं अपनी कहानी का नायक हूं, हार नहीं मानूंगा।दृढ़ निश्चय वाले लोग दूसरों को भी प्रेरित करते हैं, जैसे मंडेला ने किया।उदाहरण के लिए ऐसे समझें कि मंडेला ने जेल में भी पढ़ाई की, पत्र लिखे और अपने साथियों को संगठित किया। उनका निश्चय सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि पूरे देश की जीत बना।दुनिया को दिखाएं कि आप क्या कर सकते हैंदृढ़ निश्चय ही आपके सपनों को हकीकत में बदल सकता है। यह आपको मंडेला की तरह नायकों की कतार में खड़ा कर सकता है। आज से ही शुरू करें, खुद से छोटा सा वादा करें और अपना लक्ष्य स्पष्ट करके उसकी तरफ छोटे-छोटे कदमों से बढ़ना शुरू करें।

डाउनसाइजिंग का अपना ही अपसाइड भी होता है!

कुछ साल पहले जब मेरी बेटी की शादी होने वाली थी, तो मेरी पत्नी ने मुख्य हॉल में हमारे 28 साल पुराने फर्नीचर को बदलने का फैसला किया। हालांकि मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं था। मैं उस फर्नीचर से दो कारणों से भावनात्मक रूप से जुड़ा था।1. वे किसी यूज-एंड-थ्रो शोरूम से नहीं लाए गए थे कि उनकी लकड़ी टूट गई हो या रंग फीका पड़ गया हो। वे ठोस साग की लकड़ी से बने थे।2. वे हमारे संघर्ष के दिनों की कई यादों को बयां करते थे, जब हमने बहुत सोच-विचार और चर्चाओं के बाद उन्हें एक-एक कर बनवाया था। इसलिए वे अलग दिखाई देते थे। जाहिर है कि वे एक फर्नीचर-सेट की तरह नहीं दिखते थे और इसके बजाय समय-समय पर जुटाई गई चीजों की तरह नजर आते थे।यही मुख्य कारण था कि मेरी पत्नी उन्हें बदलकर एक ही डिजाइन वाला फर्नीचर-सेट चाहती थी। डिजाइनर ने ऑर्डर लिया और चला गया। लेकिन नया फर्नीचर आने तक उसने हमें पूरा हॉल खाली करने का काम सौंप दिया।यह मेरे लिए एक मुश्किल चुनौती थी। सौभाग्य से, हम एक ऐसी स्त्री को जानते थे जो अपने करियर में संघर्ष कर रही थीं और मुंबई शिफ्ट होने जा रही थीं। उनका तलाक हो चुका था और वे आर्थिक रूप से इतनी मजबूत नहीं थीं कि अपने घर को उसी स्तर पर फिर से बना सकें, जैसे घर में उनके वैवाहिक जीवन के दौरान वे और उनके दो बच्चे रहते थे।एक मामूली नौकरी के साथ बच्चों को वह सुविधा देना उनके लिए कठिन था। हमने अपना फर्नीचर बदलने का फैसला करने से पहले ही उनसे यह वादा कर दिया था कि हम सेटल होने में उनकी मदद करेंगे। उनके सेटल-डाउन होने के लगभग दो सालों के दौरान उन्होंने हमसे कुछ सामान लिया, लेकिन सभी नहीं, क्योंकि उनका घर बहुत छोटा था। लेकिन उन्होंने हमें सुझाया कि हमें इसके लिए सही लोगों की तलाश करनी चाहिए, जो ऐसी चीजों को बहुत पसंद करेंगे- रसोई के मिक्सर से लेकर छत के पंखों और डाइनिंग टेबल से लेकर सोफा सेट तक।मेरा यकीन कीजिए, हर बार जब मैं उन अलग-अलग विनम्र लोगों के पास जाकर उनसे कुछ साझा करता था, तो मेरा मामूली घर मुझे महल की तरह लगते लगता था। मेरी लिखने की मेज पाने वाले प्राप्तकर्ता ने कहा, मैं अपने पिता के लिए ऐसी ही मेज खरीदना चाहता था ताकि वे बैठकर अपना सुबह का अखबार पढ़ सकें।अपने बूढ़े घुटनों के चलते वे फर्श पर बैठकर नहीं पढ़ पाते हैं। मेरी आंखों में एक मिनट के लिए तब आंसू आ गए, जब मैंने उन बुजुर्ग व्यक्ति की आंखों में देखा। मेज पर बैठकर वे उतने ही रोमांचित थे, जैसे कोई बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने को पाकर होता है।एक और आंटी थीं, जिन्हें नहीं पता था कि एक किचन-मैट उनके दुखते पैरों को आराम दे सकता है। वे नियमित रूप से तस्वीरें भेजती थीं कि कैसे वे खड़े रहकर खाना पकाती हैं और उन्हें ऐसे व्यंजन बनाना पड़ता है, जिनके लिए घंटों खड़े रहकर समय देना पड़ता है।एक दिलचस्प घटना तब हुई, जब एक मां ने हमें दिल से धन्यवाद दिया। उनका बेटा पढ़ाई में कम दिलचस्पी रखता था, लेकिन मेरी बेटी की स्टडी टेबल का इस्तेमाल करने के बाद वह पढ़ाई को लेकर गंभीर हो गया और उसने अच्छे अंक प्राप्त किए। मुझे नहीं पता था कि एक साधारण-सी स्टडी टेबल भी किसी में पढ़ने की रुचि पैदा कर सकती थी।उन अनुभवों ने हमें अपने घर में ऐसे और भी खजानों को ढूंढने पर मजबूर कर दिया, और जो कुछ भी हमने पाया उसे आखिरकार अपना नया घर मिल गया। जूते के स्टैंड से लेकर बगीचे की कुर्सियों तक, कुछ भी कबाड़ में नहीं गया।उन सभी के उपयोग के साल लंबे खिंच गए। जब प्राप्तकर्ता आज भी वॉट्सएप पर उन चीजों की तस्वीरें साझा करते हैं, तो मुझे यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे पास जो सामान था, वह दूसरों को खुशी दे रहा है।फंडा यह है कि जब आप अपना कई बार इस्तेमाल किया हुआ और कभी-कभी अपेक्षाकृत नया सामान भी किसी को देते हैं, तो वे बदले में लौटकर आपको कुछ अच्छी यादें और बेहतरीन कहानियां देते हैं। और इसलिए मुझे लगता है कि डाउनसाइजिंग में भी अपसाइड होने की कहानी निहित होती है, जिसमें किसी पर ध्यान दिया जाता है और उनके साथ बेहतर व्यवहार किया जाता है। आपका क्या कहना है?

फायदा कमाने के लिए मिर्ची तो लगानी ही होगी!

आपने कुली नं.1 फिल्म का ये गाना सुना होगा, 'तुझको मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं। यह शायद कैज़ुअल डाइनिंग रेस्टोरेंट 'चिलीज़' (मिर्ची) के चीफ एग्जीक्यूटिव केविन होचमैन का पसंदीदा गाना होगा क्योंकि जब पूरा अमेरिका, सोशल

मीडिया पर फास्ट-फूड महंगा होने की शिकायत कर रहा था, तब केविन को अवसर नजर आया।उन्होंने तुरंत चिलीज़ बर्गर की तुलना मैक्डॉनल्ड से शुरू कर दी, जो इस कैटगरी में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है। उन्होंने दो अलग काम किए। कोई छोटी कंपनी, पैसे वाली बड़ी कंपनी से पंगा नहीं लेती लेकिन केविन ने ऐसा किया। दूसरी बात, ऐसा रेस्टोरेंट जहां बैठकर खाना खाते हैं, वह मैक्डॉनल्ड जैसे रेस्टोरेंट से तुलना नहीं करता, जो खाना पैक कराकर ले जाने (टेक-अवे) का विकल्प देता है।उनकी कंपनी ने विज्ञापन में कहा, 'कॉम्बो मील की कीमत में, बिग मैक जैसा बर्गर पाएं, लेकिन टेबल पर, वह भी अनलिमिटेड चिप्स और सोडा के साथ'। यह विज्ञापन कारगर साबित हुआ। इसमें कहा गया, 'क्वार्टर पाउंडर से 85प्रतिशत ज्यादा बड़ी पैटी, चीज़ के साथ, सिर्फ डॉ10.99 में।' इसमें इशारा मैक्डॉनल्ड के एक सिग्नेचर बर्गर की ओर था।पिछले सितंबर, चिलीज़ का एक लाइन का विज्ञापन काफ़ी चर्चा में रहा, 'हमारा बर्गर खाएं या ड्राइव-थ्रू में मिलने वाले किसी बर्गर से संतोष कर लें।' इन विज्ञापनों ने लोगों को चिलीज़ रेस्टोरेंट में बार-बार जाने के लिए प्रेरित किया और उसकी बिक्री 15प्रतिशत बढ़ गई। चिलीज़ की पैरेंट कंपनी के शेयर की कीमतें भी तीन गुना हो गईं।वैश्विक स्तर पर, ग्राहक और फूड कंपनियां, दोनों महंगाई से परेशान हैं। लेकिन चिलीज़ ने महंगाई को मार्केटिंग में बदल दिया। दिलचस्प है कि चिलीज़ ने कभी अपने उत्पाद, प्रतिस्पर्धी से कम कीमत पर नहीं बेचे। बल्कि यह संदेश दिया कि आपका फास्ट फूड बर्गर पहले ही महंगा है, तो क्यों न उसे अच्छी जगह खाएं और साथ में ज्यादा चीजें पाएं। बचत प्रेमियों को यह बात पसंद आई क्योंकि थोड़ी ज्यादा कीमत देने पर, बहुत कुछ मिल रहा था।चिलीज़ अपने कर्मचारियों को 'चिली हेड्स' कहता है। उनका मोटो है, 'अपनी नौकरी को गंभीरता से लें, खुद को नहीं।' मैनेजमेंट स्टडी में मैंने इस कंपनी के बारे में जाना, जो शादी और मैरिज एनिवर्सरी के बजाय वर्क एनिवर्सरी धूमधाम से मनाते हैं। कर्मचारी 'चिलीज़ क्लब' के आजीवन सदस्य भी बनते हैं। कंपनी के 1200 आउटलेट में 72000 कर्मचारी हैं। ये सुनिश्चित करते हैं कि पूरे अमेरिका में चिलीज़ का स्वाद और गुणवत्ता एक जैसी रहे। दो टीनएजर के पिता केविन, कैजुअल कपड़ों में अपने किसी भी रेस्टोरेंट में पहुंच जाते हैं और वहीं खाते हैं। वे यहां दोस्तों को पार्टियां देते हैं, जिससे ग्राहक और मैनेजर का फीडबैक मिल जाता है। जब कंपनी का शीर्ष व्यक्ति, देश में कहीं भी कंपनी में पहुंचता है, जो इससे गंभीर वर्ककल्चर बनता है और बेहतर नतीजे मिलते हैं।कैलोरी घटाने के लिए, केविन रोजाना पांच किमी दौड़ते हैं। वे दोस्तों से कहते हैं, 'मैं खाने के लिए दौड़ता हूं।' हैरानी नहीं कि केविन ने पिज्जा हट, टाको बेल, यम ब्रांड्स, पेप्सिको और सेवन-इलेवन जैसी बड़ी फूड चेन के अधिकारियों को आकर्षित किया है।मार्केट रिसर्च फर्म का अनुमान है कि महंगाई के कारण रेस्टोरेंटों में भीड़ 3.3प्रतिशत घटेगी। यही फर्म मानती हैं कि चिलीज़ के स्टोर की बिक्री इस तिमाही में 26प्रतिशत बढ़ेगी और सालभर स्थिर रहेगी, जब तक कीमतें न बदलें।फंडा यह है कि अगर बतौर कंपनी आप ज्यादा लाभ कमाना और कुछ अलग करना चाहते हैं, तो आपको पंगा लेना ही होगा, जिससे प्रतिस्पर्धी को थोड़ी मिर्ची लग सके।

सबसे कटकर नहीं जुड़कर भी बन सकते हैं आत्मनिर्भर

पहले भारतीय बाजार अपने में बंद और अलग-थलग हुआ करता था, लेकिन अब वह वैश्विक व्यापार का अग्रदूत बनता जा रहा है। भारत के बाजार का यह रूपांतरण शायद 21वीं सदी की विश्व-अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलाव है। देश ने एक बंद, रक्षात्मक आर्थिक रुख से हटकर बाहर की दुनिया पर नजर रखने वाले, वैश्विक रूप से आक्रामक रवैये को अपनाया है। जो देश कभी वैश्वीकरण का हिचकिचाता हुआ सहभागी हुआ करता था, वो अब वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को आकार

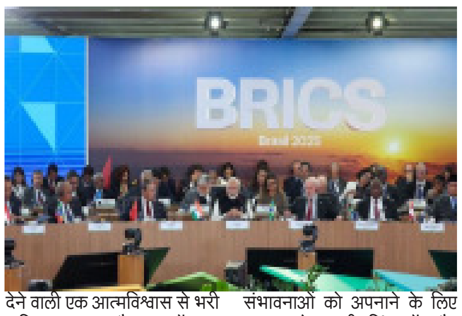

देने वाली एक आत्मविश्वास से भरी शक्ति बन गया है। दशकों तक भारतीय बाजार लाइसेंस-परमिट-कोटा राज से परिभाषित होता रहा था। यह नौकरशाही की जकड़न और भारी शुल्क की घुटन भरी व्यवस्था थी, जिसे विदेशी पूंजी के कथित शोषण से घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए रचा गया था। आजादी के बाद की अधिकांश अवधि के दौरान, भारत की आर्थिक रणनीति आत्मनिर्भरता, आयात सब्स्टिट्यूशन (दूसरों से खरीदे जा सकने वाले सामानों का घरेलू उत्पादन) और वैश्विक बाजारों के प्रति गहरी शंका पर आधारित थी। हालांकि इस दृष्टिकोण ने औद्योगिक क्षमता के कुछ छिटपुट केंद्र जरूर विकसित किए, लेकिन यह आखिरकार दीर्घकालिक अक्षमता, तकनीकी ठहराव और भारत की आर्थिक क्षमता और उसके प्रदर्शन के बीच एक निरंतर बढ़ती खाई का ही कारण बना था। अर्थशास्त्री राज कृष्ण ने तो इसे 'हिंदू विकास दर' करार दे दिया था। हमारी अर्थव्यवस्था, जनसांख्यिकीय वृद्धि और बढ़ती जरूरतों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए लगातार संघर्ष करती रही थी। 1991 के उदारीकरण ने रूपांतरण की शुरुआत को चिह्नित किया। भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था से खुद को बचाने से लेकर उसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने, और उसमें प्रतिस्पर्धा करने तक पहुंच गया। यह बदलाव आर्थिक रूप से जितना महत्वपूर्ण था, उतना ही इसका मनोवैज्ञानिक महत्व भी था। खुलेपन की संभावनाओं को अपनाने के लिए भारत को अपनी चिंताओं और असुरक्षा की भावना को त्यागना पड़ा। समय के साथ, वैश्विक व्यापार, पूंजी प्रवाह और प्रौद्योगिकी नेटवर्क में एकीकरण ने विकास की गति, शहरीकरण के पैटर्न और उद्यमी संस्कृति को नया आकार दिया। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। 2026 का भारत अपनी बेड़ियों को तोड़कर दुनिया की सबसे खुली और उदारीकृत उभरती हुई अर्थव्यवस्था बन गया है। यह परिवर्तन एक मौलिक अंतर्दृष्टि से उत्पन्न हुआ और वो यह है कि एक डिजिटलीकृत दुनिया में सच्ची आर्थिक सम्प्रभुता अलग-थलग रहने से नहीं, बल्कि जुड़ने से मिलती है। 1991 के शुरुआती सुधारों ने जहां दरवाजे खोलना शुरू किया था, वहीं भारत ने पिछले वर्षों में व्यवधानों को पूरी तरह से हटा दिया है। अब भारत हाशिये का खिलाड़ी नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक प्रवाहों में केंद्रीय मंच है। सेवाओं के निर्यात, डिजिटल क्षमताओं और मैन्युफैक्चरिंग महत्वाकांक्षाओं ने हमें ऐसे देश के रूप में स्थापित किया है, जिसके आर्थिक विकल्प हमारी सीमाओं से बहुत आगे तक गूंजते हैं। बहुपक्षीय मंचों के भीतर, भारत ने यूएई, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, यूके और ईयू के साथ ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, न्यूजीलैंड और अमेरिका दोनों ने सैद्धांतिक रूप से समझौतों की घोषणा की है। इस बदलाव के आधार में भारत सरकार के 'आत्मनिर्भरता' के मंत्र की एक सूक्ष्म पुनर्व्याख्या भी है। भारत के नेता अब समझते हैं कि आत्मनिर्भरता वैश्विक जुड़ाव के माध्यम से भी हासिल की जा सकती है, दूसरों से अलग-थलग होकर नहीं। भारत अब विदेशी पूंजी से नहीं डरता है और वह पूर्वी एशिया के पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग समूहों के प्रमुख विकल्प के रूप में उत्सुकता से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। इस प्रकार, भारत के खुलेपन ने अब एक सामरिक महत्व प्राप्त कर लिया है। जो कभी घरेलू सुधार का एजेंडा लगता था, वह अब एक वैश्विक अवसर बन गया है। उभरते डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नए व्यापार समझौतों के बीच तालमेल एक ऐसे भविष्य का संकेत देता है, जहां भारत केवल वस्तुओं का ही नहीं, बल्कि दुनिया के डिजिटल आर्किटेक्चर का भी निर्यात करेगा। एक बड़े, स्थिर लोकतंत्र, युवा कार्यबल, बेहतर हो रहे बुनियादी ढांचे और एक ऐसे नियामक वातावरण का संयोजन- जो अधिक पारदर्शिता की ओर बढ़ रहा है- भारत को केवल चीन का विकल्प ही नहीं, बल्कि एक बहुध्रुवीय आपूर्ति-शृंखला संरचना में महत्वपूर्ण केंद्र भी बनाता है। विदेशी पूंजी के विरोध से लेकर उसे आकर्षित करने तक; घरेलू अक्षमताओं से लेकर वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता तक- हमारी यात्रा की दिशा स्पष्ट है। भारत अब वैश्विक व्यवस्था में मूकदर्शक नहीं, अपने भविष्य का प्रमुख निर्माता भी है। शशि थरूर

इंफ्लुएंसर-संस्कृति अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है

हम स्क्रॉल करते हैं, लाइक करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी एल्गोरिदम हमें कुछ ऐसा दिखा देता है, जो हमें रोक देता है- जैसे कि मीशा अग्रवाल की आत्महत्या की खबर, या बाबिल खान का इंस्टाग्राम पर लाइव आकर विलाप करना। और बस, इंफ्लुएंसर-जीवन का चमकदार आवरण उतर जाता है, पता चल जाता है कि यह क्या है : एक सुनहरा पिंजरा।मीशा अग्रवाल वो सब थीं, जिसका इंफ्लुएंसर-इकोनॉमी जश्न मनाती है- युवा, स्टाइलिश, बड़ी फॉलोइंग और उनके नाम से जुड़ा एक फैशन-लेबल। उनका कंटेंट अच्छा था, उनकी पोस्ट के कैप्शंस क्यूरेटेड होते थे और उनका पहनावा उनकी आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता था। और इस सबके बावजूद, उसके पीछे एक महिला एक ऐसे अंधेरे से जूझ रही थी, जिसे हम देखने में नाकाम रहे थे- या जिसे हमने देखना नहीं चाहा। भला कौन डिप्रेशन पर डबल-टैप करना चाहेगा?फिर आए बाबिल खान, जो इरफान के बेटे हैं, एक सेलेब्रिटी-विरासत के अनिच्छुक उत्तराधिकारी हैं। वे लाइवस्ट्रीम पर रो पड़े। जरूरत से ज्यादा निगरानी के दबाव से टूट गए। हर समय 'ऑन' रहने का दबाव, एक क्लिकेबल-हेडलाइन तक सीमित हो जाने की मायूसी।उन्होंने कहा, 'मुझे अब बिलकुल नहीं पता कि मैं कौन हूं।' और वे भला कैसे जान सकते थे? एक ऐसी दुनिया में, जहां लाइक्स से ही पहचान को मान्यता मिलती है और ऑनलाइन चुप्पी को विफलता के रूप में देखा जाता है, वहां अपने जैसा होने का हाशिया ही कहां है?दो युवा जिंदगियां। और एक कठोर सत्य : इंफ्लुएंसर-संस्कृति चुपचाप अपने क्रिएटर्स को निगलती जा रही है। लेकिन सच कहें तो यह हम सभी की कहानी है।हम ऐसी पीढ़ी हैं, जो धारणाओं की बंधक बन चुकी है। आज पहचानें बनाई नहीं जातीं- ब्रांड की जाती हैं। आप अपना जीवन जी नहीं रहे होते, आप इसे लाइव-स्ट्रीम कर रहे होते हैं। और अगर आपकी इंगेजमेंट घटती है तो आपकी कीमत भी कम हो जाती है। चौबीसों घंटे उत्साहित, सुंदर और सफल दिखने का दबाव न केवल थका देने वाला है- यह अमानवीय भी है।यह एक परेशान करने वाला एहसास है कि हर चीज के प्रदर्शन के इस युग में, आपकी कीमत इंगेजमेंट-मीट्रिक में मापी जाती है। लाइक्स जीवन-रेखा बन जाते हैं। रील वास्तविकता बन जाती है। और अगर आप लॉग-ऑफ करके स्क्रीन से गायब हो जाते हैं, तो जैसे आपका कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता।इससे भी बुरी बात यह कि आज हमारी कमजोरियां भी नुमाइश का सामान हो गई हैं। रोएं, लेकिन सौंदर्यपूर्ण तरीके से। सच बोलें, लेकिन ऐसे कि इससे आपको ब्रांड-डील्स का नुकसान हो। शेयर करें, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं- कहीं ऐसा न हो कि ट्रोल आपके पीछे पड़ जाएं।हालत यह है कि आज हम प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी मानसिक-शांति

क्या बच्चों में उग्रता रोकने के लिए हमें सजा को शुगरकोट करना चाहिए?

हम सभी ने बचपन में जरूर सुना होगा कि 'बेंच पर खड़े हो जाओ।' यह आम सजा थी। इससे थोड़ी सख्त थी, 'क्लास के बाहर

खड़े रहो।' खासकर, जब हम उस पीरियड के टीचर को ज्यादा परेशान करते थे। दूसरी सजा में बदतर तब होता, जब आप क्लास के बाहर खड़े हों और प्रिंसिपल राउंड पर आ जाएं। जब मुझे ऐसी सजा मिली तो दो बार टॉयलेट में छिपना पड़ा। तीसरी और सबसे बुरी सजा, जिससे मैं हमेशा डरता था, यह थी कि 'क्लास के बाद प्रिंसिपल रूम में मिलना।'मैं ऐसी सजा कभी नहीं चाहता था, क्योंकि प्रिंसिपल मेरे पिताजी को जानते थे और उनकी टेबल पर फोन रहता था। वे हमेशा पिताजी के ऑफिस में फोन करने की धमकी देते। उस दिन घर लौटने पर मैं सजा के बारे में बात नहीं करता और ओवरएक्टिंग करता था। इससे मां के सामने भांडा फूट जाता और आखिरकार वे पूछ ही लेती थीं कि 'क्या आज क्लास में कोई सजा मिली?' कभी मैं मना कर देता, जिसे वे नजरअंदाज कर देतीं और कभी मान लेता, लेकिन उनसे वादा लेता कि वे पिताजी को नहीं बताएंगी। धीरे-धीरे ये सजाएं बदलकर 'अ नोट टु पैरेंट्स' तक पहुंचीं। इसमें छात्र को पैरेंट्स के सिग्नेचर करवाने होते थे, या लिखा होता था कि 'कल पिताजी को साथ लाना।' मेरी बेटी के स्कूल से पासआउट होने तक मैंने यह सब देखा। हालांकि, अपने पिता के विपरीत उसे कभी सजा नहीं मिली। वह अपनी मां की तरह समझदार थी। इसके बाद मुझे नहीं पता था कि स्कूलों की सजाएं कैसी हो गईं, जब तक कि मैं अमेरिका नहीं गया। वहां कुछ स्कूलों में अलमारी से दोगुने बड़े कमरे होते हैं और वे उन्हें अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। वे बच्चों को स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर के केबिन के पीछे उस कमरे में भेजते हैं और उस जगह को 'काम डाउन रूम' कहते हैं। कोई उसे 'चिल रूम' तो कोई 'रीसेट स्पेस' या 'सेल्फ-मैनेजमेंट रूम' कहता है। जबकि कुछ सख्त स्कूल उसे 'रेगुलेशन स्टेशन' कहते हैं। यदि पैरेंट्स इस आइसोलेशन पनिशमेंट पर सवाल उठाएं, तो स्कूल उन्हें समझाते हैं कि यह 'थिंकिंग रूम'

है- ऐसा शब्द, जो माता-पिता को गहराई से सोचने से रोकता है। दिलचस्प यह है कि अब पैरेंट्स के पास ऐसे 45 अलग-अलग शब्द हैं, जिनका इस्तेमाल देशभर के स्कूल करते हैं। वे 'वेलनेस', 'सेल्फ सपोर्ट', 'फोकस' और 'माइंडफुलनेस' जैसे शब्द इस्तेमाल करते हैं। जबकि पैरेंट्स सोच रहे हैं कि ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है, जब यह जगह अलमारी जैसी छोटी और डरावनी भी है, वहां बुरा बर्ताव करने पर क्लास से हटाए बच्चे को रखा जाता है।अपनी यात्रा के दौरान मैंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के आसपास काफी समय बिताया, जो मैसाचुसेट्स राज्य में है। इस राज्य के स्कूलों को पैरेंट्स को यह बताने की जरूरत नहीं कि कब उनके बच्चे को 'टाइमआउट रूम' में रखा गया। यह प्रथा आज भी जारी है, जबकि पैरेंट्स जोर देकर कह चुके हैं कि इससे बच्चों को गहरा आघात पहुंचता है। कई बार बच्चे डर से मल-मूत्र तक कर देते हैं, तब जाकर पैरेंट्स को सजा के बारे में पता चलता है। एक स्थानीय टीवी न्यूज स्टोरी में बताया गया कि? 5 साल का एक ऑटिस्टिक बच्चा 28 मिनट की सजा में उस कमरे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहा था। यह मामला पैरेंट्स के बीच चर्चा का बड़ा विषय बना था। मीका कैमिली नाम की मां ने 8 साल के बेटे के रिकॉर्ड खंगाले तो उनमें कम उपस्थिति और हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर के नोट थे। चौंकाने वाली बात यह थी कि उसमें बच्चे को दो बार 'टाइमआउट रूम' में भेजने का भी उल्लेख था। अब वे बेटे के गुस्सैल व्यवहार के लिए स्कूल को दोषी ठहराती हैं। कई पैरेंट्स कहते हैं कि यह जेल है। फंडा यह है कि युवा पीढ़ी छोटी-छोटी बातों पर बहुत ज्यादा संवेदनशील और तुनकमिजाजी होती जा रही है तो स्कूलों को सजा के बारे में फिर से सोचना पड़ेगा। कठोर सजाओं को 'टाइमआउट रूम' जैसे चाशनी लपेटे हुए शब्दों में पेश करने से शायद बच्चों की संवेदनशीलता को शांत नहीं किया जा सकता। एन. रघुरामन

जो भी सच्चा है, धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे...

पूरा संसार चौंका हुआ है कि पाकिस्तान जैसे देश में आतंकी ठिकानों की जानकारी भारत को कैसे मिली? पाकिस्तान भी वर्षों तक ढूंढेगा कि ये सूचना कैसे बाहर गई? पाकिस्तानी तो शायद नहीं जानते होंगे इस नाम को, पर भारतीय दृष्टि से कहा जाए तो- कौन था विभीषण? भारतीय लोग विभीषण ढूंढने में बड़े माहिर हैं। विभीषण की खोज हनुमान जी ने की थी, लेकिन विभीषण प्रिय राम जी के थे। विभीषण का नाम आते ही लोग किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करते हैं, जिसने इधर की उधर लगा दी, रहस्य खोल दिया। लेकिन यदि विभीषण आलोचना का व्यक्तित्व होता तो राम उनको इतना सम्मान नहीं देते। राम का कहना था विभीषण की सबसे बड़ी अच्छाई थी कि उन्होंने बुराई का विरोध किया था। उनके मन में लंका का राज प्राप्त करने की कोई आकांक्षा नहीं थी, न ही लोभ था। उनका शुद्ध इरादा था सत्य के साथ, धर्म के साथ खड़े रहने का। हमारा देश विभीषण का सदैव सम्मान करेगा, क्योंकि राम ने उनको चाहा है। जो भी सच्चा है, जो भी धर्मरत है, हम उसका साथ देंगे। और अधर्म का विरोध, किसी भी स्तर पर जाकर किया जाएगा।

काम का मतलब समर्पण है, 'चलता है' नहीं

इसी साल मार्च की बात है। एक व्यक्ति एटीएम से पैसे निकाल रहा था, तभी दूसरा व्यक्ति अंदर गया और उससे पांच हजार रुपए छीनकर भाग गया। पीड़ित ने उसका पीछा किया। 74 वर्षीय अनुराधा कुलकर्णी वहीं ट्रैफिक संभाल रही थीं और उन्होंने यह सब देखा।उन्होंने तुरंत अपनी बाइक स्टार्ट की, पीड़ित को लिफ्ट दी और चोर का पीछा करते हुए देखा कि वह टाटा कॉलोनी नामक एक रिहायशी इलाके में घुस रहा है। उनके तेज दिमाग को पता था कि कॉलोनी का केवल एक ही एग्जिट पॉइंट है, इसलिए उन्होंने पुलिस को सूचित कर गेट पर पीड़ित के साथ इंतजार किया।एक घंटे बाद, आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पैसे बरामद कर लिए। दो महीने पहले एक व्यक्ति सड़क पार करते समय ट्रक से कुचलकर मारा गया। सड़क के बीचों-बीच खड़ी हुई अनुराधा ने देखा कि पीड़ित की चप्पल डिवाइडर में फंस गई थी, जिससे वह चलते ट्रक के सामने गिर गया था।

गुस्साए स्थानीय लोग ट्रक ड्राइवर पर हमला करने लगे। अनुराधा ने तुरंत एक्शन लिया और गवाही दी कि यह ड्राइवर की गलती नहीं थी। वह इस चल रहे मामले में मुख्य गवाह हैं। लगभग छह महीने पहले एक सोसाइटी के चौकीदार का मोबाइल फोन चोरी हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्थानीय पुलिस ने अनुराधा से आरोपी की पहचान करने में मदद मांगी।उन्होंने तीन दिनों में मोबाइल चुराने वाले सफाईकर्मी की पहचान की, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और मोबाइल फोन बरामद कर लिया। आप सोच रहे होंगे कि यह 74 वर्षीय महिला हमेशा सड़क के बीच में क्या करती रहती हैं? हर दिन वह बाइक पर घूमती हैं, जहां भी ट्रैफिक नजर आता है, वहां उतरकर ट्रैफिक संभालती हैं, एंबुलेंस को तेजी से जाने में मदद करती हैं और स्कूली बच्चों को सड़क पार कराती हैं।

लगभग 30 साल पहले की बात है, एक बार उन्होंने देखा कि मुंबई में सांताक्रूज में एक स्कूल के पास लोग गलत लेन में आ रहे थे, तभी उन्होंने अकेले ही लोगों को वहां से आने से रोक दिया था। एक पुलिस अधिकारी ने उन्हें ऐसा करते देखा और उन्हें ट्रैफिक वार्डन के रूप में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्होंने मुंबई के बायकला में ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में अपनी ट्रेनिंग के बाद लिखित और मौखिक परीक्षा पास की। तब से, वह मुंबई के पश्चिमी उपनगरीय इलाके जुहू-विले पार्ले-सांताक्रूज में स्वेच्छा से यह काम कर रही हैं। उनके एक फोन कॉल पर पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट जाती है क्योंकि वह केवल तभी कॉल करती हैं जब वह स्थिति को संभाल नहीं पातीं, चाहे वह ट्रैफिक की समस्या हो या कोई असामाजिक गतिविधि।

साल 2014 में बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर ने उनके उत्कृष्ट काम के लिए उन्हें सम्मानित किया था और उन्होंने कोविड के दौरान कोरोना पॉजिटिव लोगों को भोजन पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह इन उपनगरों में सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं क्योंकि ट्रैफिक जाम होने पर किसी को उन्हें बुलाने की जरूरत नहीं पड़ती। वह खुद पहुंच जाती हैं और ट्रैफिक वार्डन का काम करती हैं।ट्रैफिक सुचारू होने के बाद, वह अपनी बाइक लेती हैं और अगले स्थान पर चली जाती हैं, जहां उनकी जरूरत होती है। ठेले वाले से लेकर दुकानदार तक, वहां के सभी लोकल लोग इस शहर को ट्रैफिक जाम से मुक्त रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता है। बैंक में काम करने वाले उनके पति का बहुत पहले निधन हो चुका है और उनकी सास ने उन्हें एक घर दिया है, जिसके किराए से और समय-समय पर रिश्तेदारों की मदद से उनकी जरूरतें पूरी होती रहती हैं। इसलिए वह मुंबई ट्रैफिक पुलिस के लिए फ्री में काम करते हुए अपना सारा समय बिताती हैं।फंडा यह है कि जो लोग किसी भी काम के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं, फिर चाहे वह स्वप्रेरणा से हो या उसके एवज में कोई पैसा मिले, ऐसे लोगों को हमेशा पहचान और सराहना मिलती है। इसलिए कहीं भी काम करें, काम के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता को सबसे ऊपर रखें क्योंकि इससे आपको पैसा मिलता है या प्रशंसा और ज्यादातर मामलों में तो दोनों।

हंतावायरस के संपर्क में आए 17 यात्री अमेरिका लाए गए,42 दिन के क्वारंटीन में,किडनी को ज़्यादा प्रभावित करता है

वॉशिंगटन डीसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक, हंता वायरस की 'एंडीज'

नाम की एक खास किस्म इंसान से इंसान में भी फैल सकती है। यह संक्रमित व्यक्ति की लार, थूक, साथ खाना खाने या एक ही बिस्तर पर सोने से फैल सकता है। मरीज की देखभाल करने वालों को ज्यादा खतरा रहता है। इस वायरस का पहला मामला 1993 में अमेरिका में सामने आया था। उस समय एक अमेरिकी दंपत्ति की मौत हुई थी। जांच में उनके घर के आसपास चूहों के बिल और वायरस के निशान मिले थे। अमेरिका के नेशनल इंस्टिट्यूट्स ऑफ हेल्थ के मुताबिक, दुनियाभर में हर साल हंता वायरस के करीब 1.5 लाख मामले सामने आते हैं, जिनमें से ज्यादातर यूरोप और एशिया के होते हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले चीन से होते हैं। 2018 में अर्जेंटीना की एक बर्थडे पार्टी में यह वायरस 34 लोगों में फैल गया था, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों के मुताबिक, हंतावायरस आसानी से नहीं फैलता। यह केवल उस व्यक्ति के बहुत करीबी संपर्क से फैल सकता है जिसमें लक्षण दिखाई दे रहे हों। यूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के कार्यवाहक निदेशक जय भट्टाचार्य ने कहा कि पहले यह देखा जाएगा कि कौन-कौन लोग संक्रमित व्यक्ति के करीब थे। उसी हिसाब से उन्हें कम, मध्यम या ज्यादा खतरे वाली श्रेणी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी यात्री का संक्रमित व्यक्ति से करीबी संपर्क नहीं था, तो उसे कम खतरे वाला माना जाएगा। हालांकि, यह वायरस कोविड-19 की तरह तेजी से नहीं फैलता। ज्यादातर मामलों में यह संक्रमित चूहों के मल, पेशाब या लार के संपर्क में आने से फैलता है। इंसान से इंसान में फैलने के मामले बहुत कम देखे गए हैं। हंता वायरस का अभी कोई इलाज नहीं-हंता वायरस का अभी कोई खास इलाज या वैक्सीन मौजूद नहीं है। डॉक्टर मरीज के लक्षणों के हिसाब से इलाज करते हैं ताकि उसकी हालत ज्यादा खराब न हो। अगर मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है, तो उसे ऑक्सीजन या वेंटिलेटर की मदद दी जाती है। शरीर में पानी और ब्लड प्रेशर संतुलित रखने के लिए दवाएं और फ्लूइड दिए जाते हैं।डॉक्टरों का कहना है कि जल्दी पहचान और समय पर इलाज से मरीज की जान बचाने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए बुखार, सांस लेने में परेशानी या कमजोरी जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाना जरूरी है। कुछ लोगों को घर भेजा जा सकता है-स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि शुरुआती जांच के बाद कुछ यात्रियों को घर जाने की इजाजत दी जा सकती है। हालांकि, उन्हें सुरक्षित तरीके से भेजा जाएगा ताकि रास्ते में किसी और को खतरा न हो।घर पहुंचने के बाद भी लोकल स्वास्थ्य विभाग और सीडीसी उनकी लगातार निगरानी करेंगे। सीडीएस के मुताबिक, वायरस के संपर्क में आने के बाद 42 दिनों तक निगरानी जरूरी होती है। अगर इस दौरान किसी को बुखार या दूसरे लक्षण दिखते हैं, तो उसे तुरंत खुद को अलग करना होगा। खास मेडिकल सेंटर में रखा गया-नेब्रास्का मेडिकल सेंटर में अमेरिका की खास नेशनल क्वारंटीन यूनिट है। यह अमेरिका की इकलौती फेडरल फंडेड क्वारंटीन सुविधा है। यहां के कमरों में खास नेगेटिव एयर प्रेशर सिस्टम लगाया गया है, जिससे वायरस हवा में फैल नहीं पाता। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को स्ट्रेचर पर नहीं लाया गया। वे खुद विमान से उतरकर गाड़ियों में बैठे और सीधे अपने क्वारंटीन कमरों में पहुंचे। डॉक्टर माइकल वाडमैन ने बताया कि यहां रहने की व्यवस्था होटल जैसी है। लोगों को कमरे में खाना मिलेगा, वे हल्की एक्सरसाइज कर सकेंगे और रोजाना उनकी जांच होगी। अगर कोई यात्री बीमार होता है, तो उसे अस्पताल की बायोकंटेनमेंट यूनिट में शिफ्ट किया जाएगा, जहां खतरनाक संक्रामक बीमारियों का इलाज किया जाता है। 2007 में आंध्र प्रदेश में एक 46 साल के व्यक्ति को यह संक्रमण हुआ था। नेचर जर्नल में प्रकाशित आर्टिकल के मुताबिक 2008 में चूहे और सांप पकड़ने वाले 28 लोगों में संक्रमण मिला।सबसे हालिया केस 2016 का है। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन के मुताबिक, मुंबई में हंता वायरस से एक महिला की मौत हुई थी। महिला को डिलिवरी के 8 दिन बाद पेट में तेज दर्द, बुखार और चक्कर आने लगे। ब्लड प्रेशर कम हुआ और सांस लेने में परेशानी होने लगी। 10 दिन में उसकी मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम में वायरस की पुष्टि हुई।

दावा- जंग में यूएई ने भी ईरान पर हमले किए,ट्रम्प बोले- ईरानी लीडरशिप बेईमान,ईरान बोला- दोबारा हमला हुआ तो 90फीसदी यूरेनियम संवर्धन करेंगे

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी।उन्होंने कहा कि तेल सप्लाई सामान्य होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि यही कीमतें

घटाने का सबसे असरदार तरीका होगा। जेट फ्यूल महंगा होने से अमेरिकी एयरलाइंस पर भी दबाव बढ़ा है। लो-कॉस्ट एयरलाइंस ने 2.5 अरब डॉलर के राहत पैकेज की मांग की है। स्पिरिट एयरलाइंस ने 2 मई को ऑपरेशन बंद कर दिया था। कंपनी ने बढ़ती ईंधन लागत को इसकी बड़ी वजह बताया।बढ़ती ईंधन कीमतों से ग्रॉसरी और अन्य सामान भी महंगे हो सकते हैं। इससे नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले रिपब्लिकन पार्टी पर राजनीतिक दबाव बढ़ सकता है। ऊर्जा विशेषज्ञ बॉब मैकनेली ने कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद ही रहा, तो टैक्स घटाने का असर उपभोक्ताओं को बहुत कम महसूस होगा। रिपोर्ट- पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दी-पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर पार्किंग की अनुमति दी। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कुछ सैन्य और नागरिक विमान पाकिस्तान और अफगानिस्तान भेजे, ताकि उन्हें संभावित अमेरिकी हमलों से बचाया जा सके। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक अप्रैल में युद्धविराम की घोषणा के कुछ दिन बाद ईरान ने कई विमान पाकिस्तान एयरफोर्स के नूर खान एयरबेस भेजे। यह एयरबेस रावलपिंडी के पास स्थित पाकिस्तान का अहम सैन्य ठिकाना माना जाता है।रिपोर्ट में कहा गया है कि भेजे गए विमानों में ईरानी एयरफोर्स का आरसी-130 विमान भी शामिल था। यह लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का खुफिया और निगरानी मिशन वाला संस्करण माना जाता है। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सीबीएस न्यूज से कहा कि नूर खान एयरबेस शहर के बीच में स्थित है और वहां बड़ी संख्या में विमान छिपाना संभव नहीं है। उन्होंने रिपोर्ट में किए गए दावों को खारिज किया। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कुछ नागरिक विमान अफगानिस्तान भी भेजे। एक अफगान सिविल एविएशन अधिकारी ने दावा किया कि माहान एयर का एक विमान युद्ध शुरू होने से पहले काबुल पहुंचा था। ईरानी एयरस्पेस बंद होने के बाद वह विमान काबुल एयरपोर्ट पर ही रुका रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च में पाकिस्तान और तालिबान सरकार के बीच तनाव बढ़ने पर काबुल एयरपोर्ट पर हमले की आशंका बनी। इसके बाद तालिबान के सिविल एविएशन अधिकारियों ने विमान को सुरक्षा कारणों से ईरान सीमा के पास हेरात एयरपोर्ट भेज दिया। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान में ईरानी विमानों की मौजूदगी से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'यह सही नहीं है और ईरान को ऐसा करने की जरूरत नहीं है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दशक में पाकिस्तान की चीन पर सैन्य निर्भरता काफी बढ़ी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक स्टडी के मुताबिक 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के 80फीसदी बड़े हथियार चीन ने सप्लाई किए। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान एक तरफ खुद को अमेरिका के सामने मध्यस्थ और स्थिरता लाने वाले देश के रूप में पेश कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ वह ईरान और चीन को नाराज करने से बचने की कोशिश कर रहा है।ईरान ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसके खिलाफ फिर हमला हुआ तो वह यूरेनियम को 90फीसदी तक संवर्धित करने का कदम उठा सकता है। ईरानी संसद की कमीशन के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने कहा कि इस विकल्प पर संसद में समीक्षा की जाएगी। यूरेनियम को 90फीसदी तक समृद्ध करना वेपन-ग्रेड संवर्धन माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक ईरान पहले ही 60फीसदी तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो हथियार-स्तर के काफी करीब माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने हाल के वर्षों में 60फीसदी शुद्धता तक यूरेनियम संवर्धन तेज किया है।

नेतन्याहू बोले- ईरान के मुजतबा खामेनेई जिंदा,बंकर में छिपे,जनता के विद्रोह का डर

तेल अवीव।नेतन्याहू ने कहा कि ईरान ऐसा देश है, जो खुले तौर पर अमेरिका और इजराइल के विनाश की बात करता है। उनके

मुताबिक, ईरान की मिसाइल क्षमता भविष्य में अमेरिका तक हमला करने की स्थिति में पहुंच सकती थी। इसी बीच, नेतन्याहू ने यह भी कहा कि ईरानी शासन का कमजोर होना हिजबुल्लाह, हमास और हूती जैसे संगठनों को भी प्रभावित करेगा। उनके मुताबिक, ये सभी संगठन ईरान के समर्थन पर टिके हैं और अगर तेहरान कमजोर हुआ तो इनकी ताकत भी घटेगी। उन्होंने दावा किया कि युद्ध से पहले हिजबुल्लाह के पास करीब डेढ़ लाख मिसाइलें और रॉकेट थे। इजराइल ने इनमें से 90फीसदी से ज्यादा नष्ट कर दिए हैं, लेकिन खतरा अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ईरान की अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत दोनों को नुकसान पहुंचा-सोशल मीडिया और अमेरिका में इजराइल की छवि को लेकर पूछे गए सवाल पर नेतन्याहू ने कहा कि कई विदेशी ताकतें बॉट फार्म और फर्जी अकाउंट के जरिए इजराइल विरोधी माहौल बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इसका असर खासतौर पर युवा अमेरिकियों पर पड़ा है। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इजराइल आने वाले वर्षों में अमेरिकी सैन्य आर्थिक मदद को धीरे-धीरे खत्म करना चाहता है। उनके मुताबिक, इजराइल अब मदद लेने वाले देश की बजाय अमेरिका का बराबरी वाला साझेदार बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि अगले 10 साल में अमेरिकी सैन्य सहायता को शून्य तक लाने की योजना बनाई जा सकती है। साथ ही इजराइल खुफिया जानकारी, तकनीक और मिसाइल डिफेंस जैसे क्षेत्रों में अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाना चाहता है। अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हुए थे मुजबता-ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुए थे। इसके बाद से वह गुप्त ठिकाने पर रह रहे हैं और डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के ठिकाने पर हमला किया था। दावा किया गया है कि उसी हमले में मुजतबा खामेनेई घायल हो गए थे। हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई थी। बताया गया कि मुजतबा खामेनेई की हालत गंभीर रही है। उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन किया गया है और अब उन्हें नकली पैर लगाना पड़ सकता है। एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। उनके चेहरे और होंठ बुरी तरह जल गए हैं। इस वजह से उन्हें बोलने में परेशानी हो रही है और आगे प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान, जो पेशे से हार्ट सर्जन हैं, और स्वास्थ्य मंत्री भी उनके इलाज में शामिल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बड़े अधिकारी और सेना के कमांडर उनसे मिलने नहीं जाते, क्योंकि उन्हें डर है कि इजराइल उनके जरिए ठिकाने का पता लगा सकता है।

सपनों को मिला सहारा, संघर्ष से सफलता तक मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से आत्मनिर्भर बने उद्यमी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' आज प्रदेश के युवाओं के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। यह योजना न केवल युवाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का एक सशक्त माध्यम भी दे रही है। इसी योजना का लाभ लेकर जनपद सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज निवासी केतन कुमार पाण्डेय ने अपने सपनों को साकार करते हुए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। केतन कुमार पाण्डेय, पुत्र श्री अशोक पाण्डेय, आर्य नगर (मेन रोड), रॉबर्ट्सगंज के निवासी हैं। एक साधारण परिवार में पले-बढ़े केतन के मन में शुरू से ही कुछ अलग करने और स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने का सपना था। वे चाहते थे कि वे नौकरी की तलाश में भटकने के बजाय खुद का रोजगार स्थापित करें और दूसरों के लिए भी अवसर पैदा करें। लेकिन सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण उनका यह सपना बार-बार अधूरा रह जाता था। इसी दौरान उन्हें 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के बारे में जानकारी मिली। यह योजना उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आई। उन्होंने बिना देर किए इस योजना के अंतर्गत आवेदन करने का निर्णय लिया। प्रारंभ में उन्हें प्रक्रिया को समझने और आवश्यक दस्तावेजों को एकत्रित करने में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। संबंधित विभागों और बैंक अधिकारियों के मार्गदर्शन से उन्होंने सभी औपचारिकताएं पूरी कीं। उनके प्रयासों को सफलता मिली और उन्हें यूको बैंक, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र से रूपया 5,00,000 (पांच लाख रुपये) का ऋण स्वीकृत हुआ। यह उनके जीवन का वह महत्वपूर्ण क्षण था, जिसने उनके सपनों को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान किया, प्राप्त ऋण राशि का सदुपयोग करते हुए केतन ने रॉबर्ट्सगंज के मुख्य मार्ग पर एक आधुनिक एवं व्यवस्थित फूड रेस्टोरेंट की स्थापना की। उन्होंने अपने रेस्टोरेंट में स्वच्छता, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। शुरुआत में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा ग्राहकों का विश्वास जीतना, बाजार में प्रतिस्पर्धा बनाए रखना, और व्यवसाय को स्थिरता प्रदान करना। लेकिन उन्होंने धैर्य, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ हर चुनौती का सामना किया। धीरे-धीरे उनके रेस्टोरेंट की पहचान बनने लगी। स्वादिष्ट भोजन, बेहतर सेवा और स्वच्छ वातावरण के कारण उनके यहां ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ने लगी। आज उनका फूड रेस्टोरेंट न केवल स्थानीय लोगों के बीच लोकप्रिय हो चुका है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी लोग यहां आने लगे हैं। सबसे प्रेरणादायक पहलू यह है कि केतन ने अपने इस व्यवसाय के माध्यम से केवल स्वयं को ही आत्मनिर्भर नहीं बनाया, बल्कि पाँच अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान किया है। इस प्रकार वे समाज में रोजगार सृजन के माध्यम से भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनके साथ काम करने वाले लोग भी अब अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानपूर्वक कर पा रहे हैं। केतन कुमार पाण्डेय बताते हैं, 'यह योजना मेरे जीवन के लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई है। अगर मुझे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का सहयोग नहीं मिलता, तो शायद मैं आज भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा होता।' वे उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रति गहरा आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि उनकी दूरदर्शी सोच और युवाओं के हित में बनाई गई योजनाओं ने हजारों युवाओं को नई दिशा दी है। वे आगे कहते हैं कि इस योजना से जुड़े जनपद के अधिकारियों और बैंक कर्मियों का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा है। उनके मार्गदर्शन और समर्थन के कारण ही वे इस मुकाम तक पहुंच सके हैं। केतन का मानना है कि यदि युवाओं को सही दिशा और अवसर मिले, तो वे किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। केतन की यह सफलता यह सिद्ध करती है कि सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। जरूरत है तो केवल जागरूकता, सही प्रयास और दृढ़ संकल्प की। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, आत्मविश्वास और सही अवसर मिलने पर कोई भी व्यक्ति अपनी किस्मत खुद लिख सकता है। आज केतन अन्य युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं। वे युवाओं से अपील करते हैं कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें, उनका लाभ उठाएं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं। उनका संदेश है, 'डर और संकोच को छोड़कर आगे बढ़िए, अवसर आपका इंतजार कर रहे हैं। केतन कुमार पाण्डेय की यह सफलता की कहानी न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धि की गाथा है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश भी है। यह कहानी बताती है कि यदि इरादे मजबूत हों और सही दिशा मिले, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता। यह कहानी हर उस युवा के लिए प्रेरणा है, जो अपने जीवन में कुछ बड़ा करना चाहता है बस जरूरत है एक कदम आगे बढ़ाने की।

जीवन में सेवा भाव का दायित्व निभाना हमारा अंतिम दम तक लक्ष्य है,नर्स सेवा भाव का दायित्व निभाते हुए देश व समाज को स्वस्थ बनाने का दायित्व पूरा करती हैं असहाय की सेवा भगवान के सेवा के बराबर होता है

वाराणसी/हरहुआ। क्षेत्र में स्थित 'न्यू लक्ष्मी हॉस्पिटल एवम

ट्रामा सेंटर' सातो महुआ सरायकाजी ,हरहुआ में आज मंगलवार 'अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' के मौके पर फ्रंटलाइन वारियर्स नर्सिंग योद्धाओं का केक काटकर सम्मान करते हुए कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ0 विकास नागर 'एमसीएच न्यूरो सर्जन' व डॉ0 अभिषेक पांडेय एमएस आर्थो सर्जन ने कहा कि नर्स सेवा की भावना से कार्य कर देश व समाज को स्वस्थ बनाने का दायित्व निभाती हैं। साथ ही साथ डॉ0फ्लोरेंस नाइटेंगल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा सेवा भाव को अपने जीवन में उतारने की सीख दी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पत्रकारों, नर्सिंग इंचार्ज व सभी नर्सिंग स्टाफ को हॉस्पिटल के एमडी डॉ0 अनिल यादव द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से डॉ0 यशवंत सिंह एमडी एनेस्थेटिक ,डॉ0 अभिषेक पांडेय एमएस आर्थो सर्जन, डॉ0 रणधीर सिंह एमडीएस, डॉ0 चंद्रशेखर सिंह चेस्ट फिजिशियन डॉ0 आकांक्षा सिंह, डॉ0 एस0के0 सिंह, डॉ0 विजय ,डॉ0 अनिल तिवारी व डॉ0 विकास नागर सहित नर्सिंग इंचार्ज व नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे। सभी नर्स को नर्सिंग योद्धाओ के रूप में सम्मानित किया गया। सम्मानित होने पर गर्व करते हुए नर्सिंग स्टाफ की ओर से स्वाति भाष्कर ,सपना पटेल व चांदनी शर्मा ने कहा जीवन में सेवा का दायित्व निभाना हमारा अंतिम दम तक लक्ष्य है। जिसे डिजिटल युग मे पूरा करने का कार्य करते रहेंगे। उक्त अवसर पर अस्पताल में गरीबों ,असहायों में निःशुल्क दवा, बिस्कुट, पानी बोतल, फल,लंच पैकेट अस्पताल के एमडी डॉ0 अनिल कुमार यादव ने वितरित किया। उक्त अवसर पर नर्स शिवानी राजभर,अंजू यादव,स्वाति पटेल , नीशु पटेल, स्वाति ,सपना व चांदनी रनिंग स्टाफ सुनील पटेल, ऋषभ पाल व आकाश पटेल शामिल रहे। अतिथियों का स्वागत राहुल यादव व कार्यक्रम का संचालन मैनेजर संजय शर्मा ने की।

प्रयागराज में थार से फायरिंग की आरोपी प्रिंसिपल बोली- मेरे ऊपर गंदे कमेंट किए

प्रयागराज। 6 मई को फाफामऊ ब्रिज पर चलते समय मेरे ऊपर गलत कमेंट किए गए। फॉर्च्यूनर कार सवार लोगों ने गंदे इशारे किए और अभद्र भाषा बोले रहे थे। मेरी गाड़ी को बार-बार ओवरटेक कर रहे थे। हमें लगा ये लोग हमारा पीछा कर रहे हैं। हम लोग डर गए। थोड़ी दूर आगे जाने के बाद मेरे सहकर्मी के पास एक खिलौना पिस्टल थी, जिससे उसने हवा में फायर किया। इसके बाद देखा कि सामने वाले लोग रुक गए, तो हम वहां से आगे निकल गए। ये बातें प्रयागराज में पूर्व छात्रनेता पर फायरिंग के मामले में आरोपी बनाई गईं महिला प्रिंसिपल प्रियदर्शिनी सिंह ने जमानत पर छूटकर आने के बाद कही। उन्होंने कहा- पूरे मामले में मुझे ही मुल्जिम बना दिया गया। पुलिस एक एक्षीय कार्रवाई कर रही है। जबकि कोर्ट परिसर में वकील रजनीश सिंह ने मुझे कहा- जो उस दिन नहीं कर पाया, वह बाहर आकर करूंगा। तुम्हें नहीं छोड़ूंगा।वहीं रजनीश कुमार सिंह श्रीया अपार्टमेंट बाबा चौराहे के पास रहते हैं। वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी रह चुके हैं। वर्तमान में वह खुद को हाई कोर्ट का अधिवक्ता बताते हैं। उन्होंने बताया- 6 मई की रात वह अपने गांव बनवीपपुर से घर लौट रहे थे। तभी शिवकुटी में स्टैनली रोड पर कैंटोमेंट एरिया के पास काले रंग की थार ने उनकी फॉर्च्यूनर को ओवरटेक किया। इसमें तीन लोग सवार थे। थार जैसे ही ओवरटेक कर आगे निकली, इसमें सवार लोगों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों ने एक के बाद एक छह राउंड फायर किए और फिर भागने लगे। खदेड़ने पर कलश चौराहे से बाएं मुड़कर कुछ दूर तक जाने के बाद थार छोड़कर भाग निकले। गाड़ी पर नंबर प्लेट नहीं थी। सूचना पर शिवकुटी पुलिस आ गई। हालांकि, घटना की लिखित जानकारी देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।

भाजपा की तानाशाही, नफरत और भ्रष्ट राजनीति को उखाड़ फेंकेगी पीडीए की जनशक्ति- रंजीत यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मनोनीत होने पर वरिष्ठ समाजवादी नेता रंजीत यादव का रायबरेली में सपाइयों द्वारा ऐतिहासिक एवं जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम जनाक्रोश सभा में तब्दील हो गया, जहां समाजवादी नेताओं ने भाजपा सरकार की जनविरोधी, तानाशाही और विभाजनकारी नीतियों के खिलाफ जमकर हमला बोला। सैकड़ों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने 'पीडीए एकता ज़िंदाबाद' और 'भाजपा हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' के नारों से माहौल गुंजायमान कर दिया। इस दौरान सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी आर.पी. यादव, राजेश मौर्य, सुरेश पटेल, राजीव गौतम सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। अपने ओजस्वी संबोधन में समाजवादी

पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव रंजीत यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक एवं उपेक्षित अगड़ा समाज की ताकत को एकजुट कर भाजपा की नफरत और झूठ की राजनीति को जड़ से उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर करने, संविधान की मूल भावना पर हमला करने और गरीबों की आवाज दबाने का काम किया है। रंजीत यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव समाज के हर वर्ग को साथ लेकर सामाजिक न्याय और भाईचारे की राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा केवल धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटकर सत्ता बचाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच चुका है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं, नौजवान नौकरी के लिए भटक रहे हैं, व्यापारी बर्बाद हो रहे हैं और मजदूरों का शोषण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता के विरूद्ध कार्य कर रही है,जिसका पीडीए पुरजोर विरोध करेगी।

विजय की सीएम शपथ में मौजूद तृषा पर भड़कीं सिंगर,कहा- बिना तलाक साथ घूम रहे हैं, सोचिए पत्नी और बच्चों की क्या स्थिति होगी

चेन्नई। थलापति विजय से नाम जुड़ने से सुर्खियों में बनीं हुईं तृषा कृष्णन पर साउथ सिंगर ने निशाना साधा है। उन्होंने तृषा

की विजय की सीएम पथ के शपथ ग्रहण समारोह में मौजूदगी की कड़ी आलोचना की और सिंगर सुचित्रा ने अपने आधिकारिक

सोशल मीडिया अकाउंट से तृषा कृष्णन की निंदा करते हुए कई पोस्ट शेयर की हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में तृषा को पैरासाइट तक कहा है। शपथ ग्रहण समारोह से तृषा की तस्वीर शेयर कर सुचित्रा ने कहा, ये इस समय

की सबसे निराशाजनक सेलिब्रिटी है। इसके बाद सुचित्रा ने एक और वीडियो री-पोस्ट की, जिसमें विजय की मां शोबा, तृषा को गले लगा रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, शोभा, तृषा को गले लगा रही है ये कैसा परिवार है। अगली स्टोरी में उन्होंने लिखा, 'बिना सही तरीके से तलाक लिए वह तृषा के साथ घूम रहे हैं। संगीता ने केस दर्ज किया है और उन पर एक अभिनेत्री के साथ अफेयर होने का आरोप है। वह अपने फॉलोअर्स के सामने गलत उदाहरण पेश कर रहे हैं। उनकी महिला फैंस भी आंख बंद करके उनकी हरकतों का समर्थन कर रही हैं और अप्रत्यक्ष रूप से एक गलत रिश्ते को बढ़ावा दे रही हैं। जरा सोचिए, इस समय उनकी पत्नी और बच्चों की मानसिक हालत कैसी होगी।' इसके अलावा फर्स्टपोस्ट को दिए इंटरव्यू में सुचित्रा ने कहा है, 'मुझे तृषा बिल्कुल पसंद नहीं है। मैं यह बात बिना किसी पक्षपात के कह रही हूं। मुझे विजय बहुत पसंद हैं और मैं ईमानदारी से अपनी राय दे रही हूं।' 'जब कोई इंसान बहुत सफल हो जाता है और अकेला पड़ जाता है, तो पैरासाइट उनकी जिंदगी में आ जाते हैं। विजय ने अपने माता-पिता और पत्नी से दूरी बना ली है, इसलिए वह अकेले हो गए हैं। उन्होंने अभी तक खुद के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा। इसी बीच वह राजनीति में भी आ गए। मेरे हिसाब से राजनीति में आगे बढ़ने के लिए उन्हें अपने पिता चंद्रशेखर की सलाह और साथ की जरूरत है। उनके बिना राजनीति में सफलता पाना मुश्किल होगा।' बता दें कि थलापति विजय ने 10 मई को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। इस समारोह में विजय के माता-पिता समेत उनकी कथित गर्लफ्रेंड तृषा कृष्णन भी मौजूद रहीं। समारोह से तृषा की तस्वीरें और वीडियोज काफी चर्चा में रहीं। पत्नी ने अफेयर का आरोप लगाकर मांगा तलाक- थलापति विजय की पत्नी संगीता सोर्नालिंगम ने फरवरी 2026 में तलाक की याचिका दायर कर दावा किया है कि विजय का 2021 से एक एक्ट्रेस से अफेयर है। बारा-बार रिश्ता खत्म करने का आश्वासन देने के बावजूद विजय ने रिश्ता जारी रखा, जिसके बाद संगीता ने तलाक की मांग की। तलाक की खबरों के बीच ही विजय तृषा कृष्णन के साथ एक हाई प्रोफाइल वेडिंग में पहुंचे और रिश्ते पर मुहर लगा दी। इसके बाद 4 मई को तृषा के जन्मदिन के दिन ही तमिलनाडु चुनाव के नतीजे आए, जिसमें विजय की पार्टी ने कई सीटें जीतीं। नतीजे आने के दिन तृषा पहले तिरुपति मंदिर पहुंचीं और फिर सीधे विजय के घर आई थीं। इसके बाद जब विजय ने सीएम पद की शपथ ली तो तृषा सबसे आगे की सीट पर बैठी थीं। उन्होंने तब विजय की मां से गले भी मिला था।

तलाक की खबरों से सुर्खियों में मौनी रॉय,पति को सोशल मीडिया से किया अनफॉलो, तस्वीरें भी हटाईं-2022 में गोवा में की थी शादी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय तलाक की अफवाहों से चर्चा में हैं। इसी बीच मौनी रॉय ने सोशल मीडिया से पति को अनफॉलो कर तलाक की खबरों को और तेज कर दिया है। मौनी रॉय के तलाक की खबरें सोशल मीडिया से शुरू हुईं। सामने आया कि कपल को लंबे समय से एक-दूसरे के साथ पब्लिकली स्पॉट नहीं किया गया है। इसी बीच मौनी रॉय की सोशल मीडिया फॉलोविंग और फॉलोवर्स लिस्ट देखने से सामने आया कि वो पति सूरज नांबियार को फॉलो ही नहीं कर रही हैं। ठीक इसी तरह उनके पति भी उन्हें फॉलो नहीं करते।हालांकि ये साफ नहीं है कि ये सिलसिला पहले से चला आ रहा है या कपल ने हाल ही में एक-दूसरे को अनफॉलो किया है। इसके अलावा मौनी का इंस्टाग्राम अकाउंट खंगालने से सामने आया है कि उन्होंने पति के साथ पोस्ट की हुईं सभी तस्वीरें हटा दी हैं। साल 2024 तक उनके अकाउंट में पति की कोई तस्वीर ही नहीं है। सूरज नांबियार का इंस्टाग्राम खंगालने पर सामने आया कि वो सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं। उन्होंने मौनी के साथ आखिरी पोस्ट 2024 में पोस्ट की थी, जिसके बाद उनके अकाउंट की आखिरी पोस्ट अप्रैल 2025 की है। मौनी रॉय

ने 22 जनवरी 2022 में बिजनेसमैन सूरज नांबियार से गोवा में शादी की थी। ये शादी मलयाली रीति-रिवाजों से हुई। इसके बाद मौनी ने सोशल मीडिया पर पति के साथ वेकेशन की कई खूबसूरत तस्वीरें भी शेयर की थीं। साल 2025 में मौनी रॉय फिल्म भूतनी में नजर आई थीं। जल्द ही वो तामिल फिल्म विश्वंभरा में कैमियो करती दिखेंगी। इसके अलावा वो है जवानी तो इश्क होना है और द वाइव्स जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

फिल्म एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया महाकाल मंदिर पहुंचीं,भस्म आरती में शामिल हुईं, कहा- अनुभव शब्दों में बयान नहीं कर सकती

उज्जैन। साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मंगलवार तड़के श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं। उन्होंने भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद लिया। तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचीं तमन्ना भाटिया नंदी हाल में बैठकर भक्ति भाव से भस्म आरती में शामिल हुईं। इस दौरान वे मस्तक पर चंदन लगाए पूरी तरह बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक उन्होंने भस्म आरती का दिव्य नजारा देखा। आरती के बाद अभिनेत्री ने नंदीजी का पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। भस्म आरती के बाद तमन्ना ने कहा, आज भगवान ने मुझे बुलाया था। बाबा महाकाल के बुलावे पर ही भक्त यहां आते हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। आज जो आरती देखने को मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। आरती में शामिल होकर बहुत ऊर्जा मिलती है। सब लोग एक साथ बैठकर जिस तरह आरती देखते हैं, ऐसा दृश्य कहीं और देखने को नहीं मिलता। मंदिर परिसर में अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। भस्म आरती के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी विशेष रूप से बढ़ाई गई थी।

काम की वजह से सो नहीं पाते अमिताभ बच्चन,बोले- सुकून के लिए सुनता हूं क्लासिकल म्यूजिक; रात 4 बजे लिखा ब्लॉग

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया और ब्लॉग के जरिए अक्सर अपने फैंस से निजी बातें और जीवन के अनुभव शेयर करते रहते हैं। हाल ही में

उन्होंने अपने ब्लॉग पर देर रात के विचारों और अपनी नींद की समस्या को लेकर खुलकर बात की। बिग बी ने बताया कि काम के दबाव की वजह से वह अक्सर रात भर जगे रहते हैं, जबकि डॉक्टर्स सेहत के लिए कम से कम 7 घंटे की नींद की सलाह देते हैं। उन्होंने इस बेचैनी से निपटने के लिए अपना एक खास आदत भी फैंस के साथ शेयर की है। रात 4 बजे लिखा ब्लॉग अमिताभ ने मंगलवार सुबह करीब 4:14 बजे अपना ब्लॉग अपडेट किया। उन्होंने लिखा कि काम के प्रति अपनी जिम्मेदारी की वजह से वह पिछली रात से जगे हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके लिए काम नींद से ज्यादा जरूरी है, भले ही मेडिकल साइंस इसे गलत मानता हो। बिग बी ने लिखा, काम नींद से ज्यादा महत्वपूर्ण है... मेडिकल कहता है कि यह सही नहीं है और कम से कम 7 घंटे की नींद लेनी चाहिए क्योंकि शरीर नींद के घंटों में ही विकसित होता है और रिपेयर होता है। तो ऐसे में कोई क्या करे? क्लासिकल म्यूजिक को बताया इलाज नींद न आने और काम के बीच वह शांति कैसे तलाशते हैं, इसका जवाब देते हुए अमिताभ ने बताया कि वह म्यूजिक का सहारा लेते हैं। उन्होंने लिखा, रात की खामोशी में स्लाइड गिटार और सितार पर बजने वाला धीमा क्लासिकल म्यूजिक बहुत सुकून देता है। आत्मा के लिए इससे बेहतर कोई इलाज नहीं है। उन्होंने संगीत को एक ऐसा अदृश्य धागा बताया जो इंसान की आत्मा को ईश्वर से जोड़ता है। उनके मुताबिक, संगीत के सात सुर पूरी दुनिया को आपस में जोड़ते हैं। पाइपलाइन में हैं ये बड़े प्रोजेक्ट्स 'कल्कि 2' के अलावा अमिताभ के पास रिभु दासगुप्ता की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सेक्शन 84' भी है। इस फिल्म में उनके साथ डायना पेंटी, निम्रत कौर और अभिषेक बनर्जी नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन मेकर्स ने अभी तक इसकी रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया है। इसके साथ ही बिग बी टीवी पर अपने मशहूर रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के जरिए भी दर्शकों का मनोरंजन करते रहते हैं।

कांस-2026- सेक्स वर्कर्स पर बनी भारतीय फिल्म की स्क्रीनिंग होगी, 2किमी. के रेडकार्पेट में आलिया, ऐश्वर्या पहुंचेंगी,यहां चप्पल पहनना,पर्स रखना मना

फ्रेंच रिवेरा। दुनियाभर का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12-23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में

आयोजित हो रहा है। देश-दुनिया की कई बड़ी हस्तियां कांस के भव्य रेड कार्पेट पर अपने स्टाइल से छाप छोड़ेंगी, वहीं दुनियाभर की कई फिल्मों की स्क्रीनिंग भी यहां रखी जाएगी। फेस्टिवल के आगाज के साथ जानिए, इस साल भारत के कौन से सेलेब्स रेड कार्पेट पर पहुंचेंगे, कौन सी फिल्में दिखाई जाएंगी, भारत की कांस में क्या अचीवमेंट्स हैं और क्या है कांस का भव्य इतिहास। साथ ही देखेंगे इंडियन सेलेब्स के कांस से कुछ चुनिंदा लुक्स-ये इंडियन सेलेब्स कांस में हो रहे हैं शामिल-इस साल भारत से आलिया भट्ट, ऐश्वर्या राय, मौनी रॉय, अदिति राव हैदरी और एहसास चन्ना कांस के रेड कार्पेट में पहुंचेंगी। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी कांस रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली हैं। आलिया भट्ट, लॉरियल पेरिस की तरफ से कांस में आई हैं। तभी से कयास लग रहे हैं कि उन्होंने ऐश्वर्या राय को रिप्लेस किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का दौरे पर पड़ा असर-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में जनता से कम-से-कम ट्रेवल करने और कम तेल-ईंधन इस्तेमाल करने की अपील की है। यही वजह रही कि महाराष्ट्र का सांस्कृतिक विभाग अब कांस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा नहीं ले रहा है। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने बताया कि पीएम मोदी की अपील के बाद विभाग का प्रतिनिधिमंडल अब कांस नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग में वाहनों का इस्तेमाल कम किया जाएगा और जरूरी बैठकों को वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया जाएगा। कांस 2026 में छाएगा भारत का रीजनल सिनेमा-कांस में इंडो-अमेरिकन फिल्म बॉम्बे स्टोरीज की स्क्रीनिंग भी कांस में होगी। ये फिल्म मंटों के उपन्यास पर बनी है, जो 1930 के दशक की बॉम्बे में रहनेवालीं सेक्स वर्कर्स की कहानी दिखाती है। फिल्म को राहत शाह काजमी ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एक्ट्रेस मौनी रॉय कांस में मौजूद रहेंगी। इसके क्लासिकल सेगमेंट में 40 साल पुरानी मलयाली फिल्म अम्मा अरियन की भी कांस में स्क्रीनिंग होगी। रीजनल सिनेमा की ये फिल्में भी कांस पहुंचीं- पंजाबी सिनेमा- पॉपुलर सिंगर और एक्टर एमी विर्क की फिल्म चारदीकला की स्क्रीनिंग कांस में होनी है। इसकी स्क्रीनिंग के लिए एमी विर्क कांस में डेब्यू करेंगे। उनके साथ को-स्टार रूपी गिल भी कांस में पहुंचेंगी। मलयाली सिनेमा- मलयाली फिल्ममेकर चिदंबरम की फिल्म बालनः द बॉय की स्क्रीनिंग कांस में होनी है। गुजराती सिनेमा- एक्ट्रेस मानसी पारेख इस साल प्रोड्यूसर पार्थिव गोहिल के साथ कांस में शामिल होने वाली हैं। गुजराती फिल्म लालोः कृष्णा सदा सहायते की भी कांस में स्क्रीनिंग होगी। मराठी सिनेमा- मराठी फिल्म इंडस्ट्री से एक्टर अशोक सराफ, निवेदिता सरफा, एक्ट्रेस प्राजक्ता माली और प्रोड्यूसर केदार जोशी कांस का हिस्सा बनेंगे। पायल कपाड़िया ज्यूरी बनीं, आशुतोष गोवारिकर ऑफिशियल डेलिगेट्स-लगान बना चुके आशुतोष गोवारिकल इस साल भारत के ऑफिशियल डेलिगेट बनकर कांस का हिस्सा बनेंगे। 2021 और 2024 में कांस के दो अवॉर्ड ग्रैंड प्री और गोल्डन आई अवॉर्ड जीत चुकीं पायल कपाड़िया इस साल ज्यूरी बनकर कांस में शामिल हो रही हैं। वो क्रिटिक्स वीक कैटेगरी की ज्यूरी रहेंगी। कांस की ज्यूरी बनने वाली पहली इंडियन एक्ट्रेस रहीं ऐश्वर्या राय-हर साल दुनियाभर के चुनिंदा लोगों को ज्यूरी में शामिल किया जाता है। मृणाल सेन पहले भारतीय थे, जिन्हें 1982 में ज्यूरी में शामिल किया गया था। इसके अलावा ज्यूरी बनने वाली पहली भारतीय महिला डायरेक्टर मीरा नायर थीं। ऐश्वर्या राय पहली इंडियन एक्ट्रेस हैं, जिन्हें कांस में ज्यूरी बनाया गया। हालांकि अब दीपिका पादुकोण, विद्या बालन और शर्मिला टैगोर भी इस लिस्ट में शामिल हैं। सेरेमनी के आखिरी दिन मिलेगा पाम डि'ओर-पाम डिओर, कांस का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित अवॉर्ड है। यह पुरस्कार फेस्टिवल की मुख्य प्रतियोगिता में चुनी गई सर्वश्रेष्ठ फिल्म को दिया जाता है। इसे कांस का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। इस साल 12-23 मई तक चलने वाले इस फेस्टिवल में 23 मई को पाम डि'ओर अवॉर्ड दिया जाएगा। कांस के इतिहास में भारत की उपलब्धियां-80 साल पहले भारत को मिला पहला पाम डि'ओर, आज भी रिकॉर्ड कायम-कांस फिल्म फेस्टिवल में जाने वाली पहली भारतीय फिल्म नीचा नगर थी। चेतन आनंद के निर्देशन में बनी ये फिल्म संयोग से कभी भारत में रिलीज ही नहीं हुई। इसका प्रसारण सिर्फ दूरदर्शन में ही किया गया था। अमीर-गरीब की जिंदगी दर्शाने वाली इस फिल्म को कांस फिल्म फेस्टिवल का सर्वश्रेष्ठ पाम डि'ओर अवॉर्ड मिला था। नीचा नगर ये अवॉर्ड जीतने वाली भारत की इकलौती फिल्म है। इसके अलावा दो बीघा जमीन (1954), बूट पॉलिश, पाथेर पांचाली, सलाम बॉम्बे, लंच बॉक्स जैसी करीब 21 फिल्मों को कांस फिल्म फेस्टिवल में अलग-अलग कैटेगरी में अवॉर्ड मिले हैं। जबकि अब तक भारत को कुल 38 नॉमिनेशन मिल चुके हैं। नॉमिनेशन हासिल करने वाली फिल्मों में राज कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म आवारा भी शामिल है। एक नजर कांस के बेहतरीन इतिहास पर-हिटलर की तानाशाही के खिलाफ शुरू हुआ कांस-1938 में वेनिस फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत की गई थी, लेकिन उस समय जर्मनी के तानाशाह एडॉल्फ हिटलर और इटली के तानाशाह मुसोलिनी अपने पसंदीदा लोगों को अवॉर्ड बांट देते थे। इनकी तानाशाही से परेशान होकर कई ज्यूरी मेंबर ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल छोड़ दिया और एक फ्री फेस्टिवल शुरू करने का फैसला किया, जिसकी लोकेशन कांस, पेरिस तय हुई। फ्रेंच सरकार ने उसके दस्तावेजों पर साइन कर उसे ऑफिशियल कांस फिल्म फेस्टिवल घोषित कर दिया। पहला फिल्म फेस्टिवल 1-20 सितंबर 1939 को होना था। एक दिन पहले गाला नाइट रखी गई, लेकिन 1 सितंबर को फेस्टिवल शुरू हुआ तो हिटलर द्वारा पौलेंड पर हमला करने से सेरेमनी में हंगामा मच गया और सेरेमनी 10 दिनों के लिए टालनी पड़ी। माहौल सुधरने के बदले और बिगड़ गए जब फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के बीच युद्ध का ऐलान हुआ। दूसरे विश्व युद्ध से कांस फिल्म फेस्टिवल 6 सालों तक टला था। वर्ल्ड वॉर 2 से 6 साल के इंतजार के बाद पहली सेरेमनी 20 सितंबर- 5 अक्टूबर 1946 को हुई, जिसमें 20 देशों ने हिस्सा लिया। 1947 में मैनेजमेंट खराब होने पर महज 16 देशों ने हिस्सा लिया। अगले साल 1948 में बजट की कमी के कारण सेरेमनी हुई ही नहीं। 1949 में फिर इवेंट मैनेजमेंट से लोग निराश हुए। 1950 में खर्च न उठा पाने पर फिर फिल्म फेस्टिवल हुआ ही नहीं। 1951 से लेकर अब तक सिर्फ कोरोना महामारी के चलते 2020 में सेरेमनी रद्द की गई थी। 18 कैरेट गोल्ड से बना अवॉर्ड, कीमत करीब 18 लाख रुपए-1955 में फेस्टिवल कमेटी ने पाम डिओर (Palm D'or) अवॉर्ड लॉन्च किया, जो इस सेरेमनी का हाईएस्ट अवॉर्ड है। 1964 में पाम डिओर को ग्रैंड प्रिक्स से रिप्लेस किया गया था, हालांकि 1975 से फिर पाम डिओर अवॉर्ड दिया जाने लगा। इसे स्विस ज्वेलरी फर्म चोपार्ड द्वारा तैयार किया गया है। इसे 18 कैरेट यलो गोल्ड और एमराल्ड कट डायमंड से तैयार किया गया है। इस एक अवॉर्ड की कीमत 27 हजार डॉलर यानी 18 लाख रुपए है। डिनर में खर्च किए जाते हैं 2.8 करोड़ रुपए-कांस फिल्म फेस्टिवल के समय कांस शहर का होटल बेरियर ले मैजेस्टिक मेहमानों के लिए ओपनिंग और क्लोजिंग इवेंट के लिए खाने की जिम्मेदारी उठाता है। मेहमानों के डिनर के लिए ही 3 लाख 47 हजार डॉलर यानी 2.8 करोड रुपए खर्च किए जाते हैं। 2000 कैकड़ों से बनता है स्पेशल डिनर-वेबसाइट बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के मुताबिक होटल डिनर के लिए 770 पाउंड यानी 340 किलोग्राम फोए ग्रास नाम की डिश तैयार करता है, जो बतख के लिवर से बनने वाली एक स्पेशल फ्रेंच डिश है। इसके अलावा यहां 110 पाउंड्स यानी 49 किलो केवियर बनता है, जो दुनिया की सबसे महंगी डिशेज में से एक है। इस डिश में करीब 1,32,000 डॉलर यानी 1 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। इस डिनर के लिए हर साल 2000 किलो कैकड़े (लॉबस्टर) इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें 39 लाख रुपए लगते हैं। 18500 बोतल वाइन-शैंपेन पी जाते हैं गेस्ट्स-सेलेब्स के लिए रखे गए डिनर में वाइन और शैंपेन भी सर्व होती है। पूरे कांस फेस्टिवल के दौरान करीब 18,500 बोतल वाइन और शैंपेन परोसी जाती है। वेबसाइट द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार सेरेमनी में ज्यादातर 1990

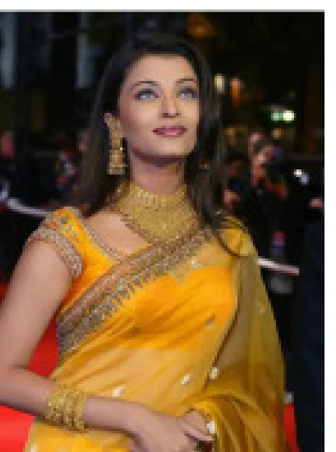

शैटो पेट्रस वाइन सर्व की जाती है। जिसकी एक बोतल की कीमत 9390 डॉलर है, ये दुनिया की छठी सबसे महंगी वाइन है। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, डिनर के अलावा दूसरे मौकों पर लगने वाली ड्रिंक्स, खाने, लेजर लाइट, फोटोग्राफ और म्यूजिक में भी 1,50,000 डॉलर यानी 1 करोड़ 23 लाख खर्च किए जाते हैं। कांस शहर सिर्फ याच को रेंट पर देकर कमाता है 3 हजार करोड़ रुपए-कांस शहर याच पार्टी के लिए भी फेमस है। फेस्टिवल में पहुंचने वाले दुनियाभर के कई सेलेब्स फेस्टिवल के दौरान याच पार्टी का भी हिस्सा बनते हैं। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार याच पार्टी से सालाना कांस शहर की 3 हजार करोड़ रुपए कमाई होती है, जो सेलेब्स खुद खर्च करते हैं। हील्स की जगह फ्लैट चप्पल पहनी तो रेड कार्पेट पर एंट्री बैन-रेड कार्पेट के नियमों के अनुसार, सेरेमनी में पहुंचने वाली फीमेल सेलिब्रिटीज का हील्स पहनना जरूरी है। ये नियम 2015 में बनाया गया है। अगर कोई सेलेब्स बिना हील्स के यहां पहुंचता है तो उसे सेरेमनी में नहीं आने दिया जाता। 2015 में ऐसा ही एक मामला विवादों से घिर गया, जहां कुछ फीमेल सेलेब्स को हील्स न पहनने पर अंदर नहीं जाने दिया। एक्ट्रेस क्रिस्टेन स्टीवर्ट और जूलिया रॉबर्ट्स भी इस नियम का विरोध करते हुए रेड कार्पेट पर अपनी हील्स रिमूव कर चुकी हैं। हैंडबैग और सेल्फी पर पाबंदी-रेड कार्पेट के लिए कोई निर्धारित ड्रेस कोड नहीं है, हालांकि यहां आने वाले हर सेलेब को ग्लैमरस लगना अनिवार्य है। हैरानी की बात ये है कि रेड कार्पेट पर हैंडबैग ले जाना सख्त मना है। यहां आने वाले सेलेब्स क्लच या हाथ में दूसरा कोई भी बैग नहीं पकड़ सकते। रेड कार्पेट की रूल बुक पर लिखा हुआ है कि कृपया अपने हैंडबैग अपने होटल में ही छोड़कर आएं। रेड कार्पेट पर फोटो या सेल्फी लेने की भी सख्त मनाही है, कोई भी सेलेब रेड कार्पेट पर सिर्फ और सिर्फ पैपराजी से ही तस्वीर क्लिक करवा सकता है। 2 किलोमीटर की रेडकार्पेट को दिन में 3 बार बदला जाता है-सबसे ज्यादा कांस फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर आए सेलेब्स चर्चा में रहते हैं।1989 में पहली बार रेड कार्पेट रखी गई थी, जिस पर चलकर तमाम हस्तियां फेस्टिवल का हिस्सा बनी थीं। महंगी ड्रेस और ज्वेलरी पहनकर सेलेब्स इस रेड कार्पेट पर दिन भर वॉक करते हैं, जिसके तीन तरफ पैपराजी और मीडिया की भीड़ रहती है। ये रेड कार्पेट 2 किलोमीटर लंबा होता है, साफ दिखाने के लिए इसे दिन में 3 बार बदला जाता है। पैपराजी की 5-पीस सूट के बिना एंट्री बैन-रेड कार्पेट पर आने वाले सेलेब्स को क्लिक करने पहुंचे पैपराजी के लिए भी कांस फिल्म फेस्टिवल में ड्रेस कोड है। पैपराजी सिर्फ ब्लैक टक्सीडो सूट, टाई/बो और फॉर्मल शूज पहनकर ही आ सकते हैं। अगर ड्रेस कोड में लापरवाही की जाती है, तो उन्हें वहां फोटो क्लिक करने से रोक दिया जाता है। हालांकि, फीमेल पैपराजी को इस ड्रेस कोड में छूट मिली हुई है। कांस फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी कुछ जरूरी बातें-जूरी मेंबर को फिल्म सिलेक्शन में दिक्कतें हो रही थीं और ओरिजिनल फिल्मों और नई फिल्में बनाने वाले फिल्ममेकर्स को ज्यादा तवज्जो मिल रही थी। इसे देखते हुए 1954 में स्पेशल जूरी अवॉर्ड कैटेगरी की शुरुआत की गई थी। 1955 में पाम डी-ओर अवॉर्ड (जीतने वालों को दिया जाने वाला अवॉर्ड) का परिचय करवाया गया था। इससे पहले विजेताओं को ग्रांड प्रिक्स से सम्मानित किया जाता था-डोलोरेस डी रियो 1957 में इस सेरेमनी की जूरी मेंबर बनने वाली पहली महिला थीं। 1989 में पहली बार रेड कारपेट रखी गई थी, जिस पर चलकर तमाम हस्तियां फेस्टिवल का हिस्सा बनी थीं। 1951 से लेकर अब तक सिर्फ 2020 में कोरोना महामारी के चलते ही कांस फिल्म फेस्टिवल को कैंसिल किया गया था। 2015 में फ्लैट तलवे की चप्पल पहनने वाले सेलेब्स पर आपत्ति जताई गई थी जिसके खिलाफ कई नामी हस्तियों ने आवाज उठाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। दुनियाभर में बढ़ते मीटू मामलों को देखते हुए कांस फिल्म फेस्टिवल ने 2018 में फेस्टिवल के दौरान एक टेलिफोन हॉटलाइन की शुरुआत की। मीटू से जुड़ी कोई शिकायत होने पर सेलेब्स तुरंत इस हॉटलाइन की मदद ले सकते हैं। जनरल डेलीगेट थिएरी फ्रैमॉक्स ने साल 2015 में कांस फिल्म फेस्टिवल के दौरान सेल्फी लेने पर प्रतिबंध लगा दिया। 1950 में चेतन आनंद इंटरनेशनल ज्यूरी में शामिल होने वाले पहले भारतीय सदस्य बने थे। 2003 में ऐश्वर्या राय ज्यूरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थीं। 2022 में पहली बार भारत को कांस फिल्म फेस्टिवल की तरफ कंट्री ऑफ ऑनर का न्योता मिला।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।